संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-04 ❖ अंक-17 ❖ मुंबई ❖ रविवार 16 से 22 अप्रैल 2023 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2021-2023

MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

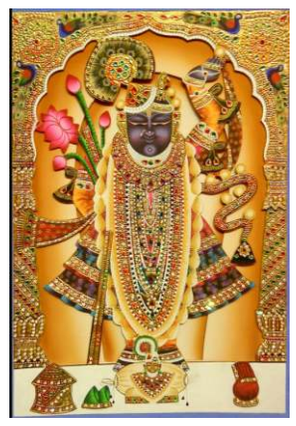

पेज 3
शरद पवार की MVA को सलाह भले ही सहयोगियों में मतभेद क्यों न हो लेकिन....

पेज 5
कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के स्टार प्रमोद और तेजस्विनी शर्मा अभिनीत फिल्म 'इंग्लिश शिवा' पैन इंडिया होगी रिलीज

पेज 7
यामी गौतम को मिली थी प्लास्टिक सर्जरी करवाने की सलाह

पेज 8
ताज के लन्दन होटल ने लॉन्च किया जायकेदार नया मेनू, किया जा रहा है बेहद पसंद

एक नजर

टीएमसी विधायक के परिसरों व 6 अन्य स्थानों पर तलाशी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाला मामले के सिलसिले में शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस विधायक जीबन कृष्ण साहा के परिसरों सहित बीरभूम, मुर्शिदाबाद और कोलकाता में छह स्थानों पर तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीबीआई का आरोप है कि विधायक साहा मुख्य मध्यस्थ थे जो कक्षा 9-10 के लिए शिक्षकों की भर्ती के सिलसिले में उम्मीदवारों से कथित रूप से धन एकत्र कर रहे थे। एजेंसी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश पर पिछले साल अप्रैल में मामला दर्ज किया था। अदालत ने घोटाले की जांच करने का निर्देश दिया था और इसमें पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) के पूर्व सलाहकार एस. पी. सिन्हा की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

मप्र सरकार बुजुर्गों को हवाई मार्ग से भी यात्रा पर ले जाएगी

भोपाल। मध्य प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार अपनी मौजूदा मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत प्रदेश के कुछ वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त तीर्थयात्रा पर हवाई मार्ग से भी ले जायेगी। भाजपा शासित मध्य प्रदेश में यह कवायद विधानसभा चुनाव से कुछ माह पहले 21 मई से शुरू होगी। मध्य प्रदेश में 230 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव इस साल के अंत तक होने हैं। अपर मुख्य सचिव (एसीएस) गृह डॉ. राजेश राजोरा ने शुक्रवार को कहा, एक अधिकारी ने कहा कि हवाई मार्ग से तीर्थयात्रा भी जून, 2012 में शुरू हुई 'मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना' का ही हिस्सा होगी। राजोरा ने कहा, इस योजना के तहत नए कार्यक्रम के अनुसार, 25 जिलों (राज्य में कुल 52 में से) के पात्र लाभार्थियों को 21 मई से 19 जुलाई के बीच हवाई जहाज से विभिन्न गंतव्यों की तीर्थ यात्रा पर ले जाया जाएगा।'

शिंदे सरकार ने की दुर्घटना में मारे गये लोगों के परिजनों को आर्थिक सहायता की घोषणा

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार तड़के पुराने मुंबई-पुणे राजमार्ग पर एक निजी बस के खाई में गिर जाने से हुए भीषण हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है और मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की है। इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गये, जिनमें से 25 की हालत गंभीर है। शिंदे ने मृतकों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मृतकों

के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। हादसे की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने रायगढ़ के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से फोन पर संपर्क कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए घायलों को सरकारी खर्चे पर चिकित्सा उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिये। हादसे के बाद मुख्यमंत्री ने हाइकर्स और आईआरबी टीम के सदस्यों से बातचीत की जिन्होंने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया था। एकनाथ शिंदे नीत सरकार से पहले महाराष्ट्र में एमवीए ही सत्तासीन था।

200 फीट गहरी खाई में गिरी बस, अब तक 12 की मौत महाराष्ट्र के रायगढ़ में बड़ा हादसा

मुंबई: महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में शनिवार को दर्दनाक घटना हुई है। यहां पर खोपोली इलाके में यात्रियों को ले जा रही एक बस गहरी खाई में जा गिरी। बस मे सवार 12 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अन्य 25 घायलों को अस्पताल में पहुंचाया गया है। राहत कार्य जारी है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची हैं। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। जिस खाई में बस गिरी है, वह लगभग 200 फीट गहरी है। बस खाई में कैसे गिरी इसका अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने जांच

शुरू कर दी है। लोगों ने बताया कि घटना के बाद तेज आवाज और लोगों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग वहां पहुंचे। कई यात्री बुरी तरह बस में फंसेखाई में गिरी बस के परखच्चे उड़ गए। बुरी तरह से दबे कई यात्रियों को निकालने में दिक्कतों को सामना करना पड़ा। मरनेवालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने कई लोगों की समय रहते जान बचाई। एंबुलेंस से और अन्य यात्रियों की गाड़ी से उन्हें अस्पताल ले जाया गया। पुणे से मुंबई जा रही थी बस पुलिस ने बताया कि निजी बस पुणे से मुंबई जा रही थी। जब बस पुराने मुंबई-पुणे राजमार्ग पर थी तभी शिंगरोबा मंदिर के पास ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और बस खाई में गिर गई।

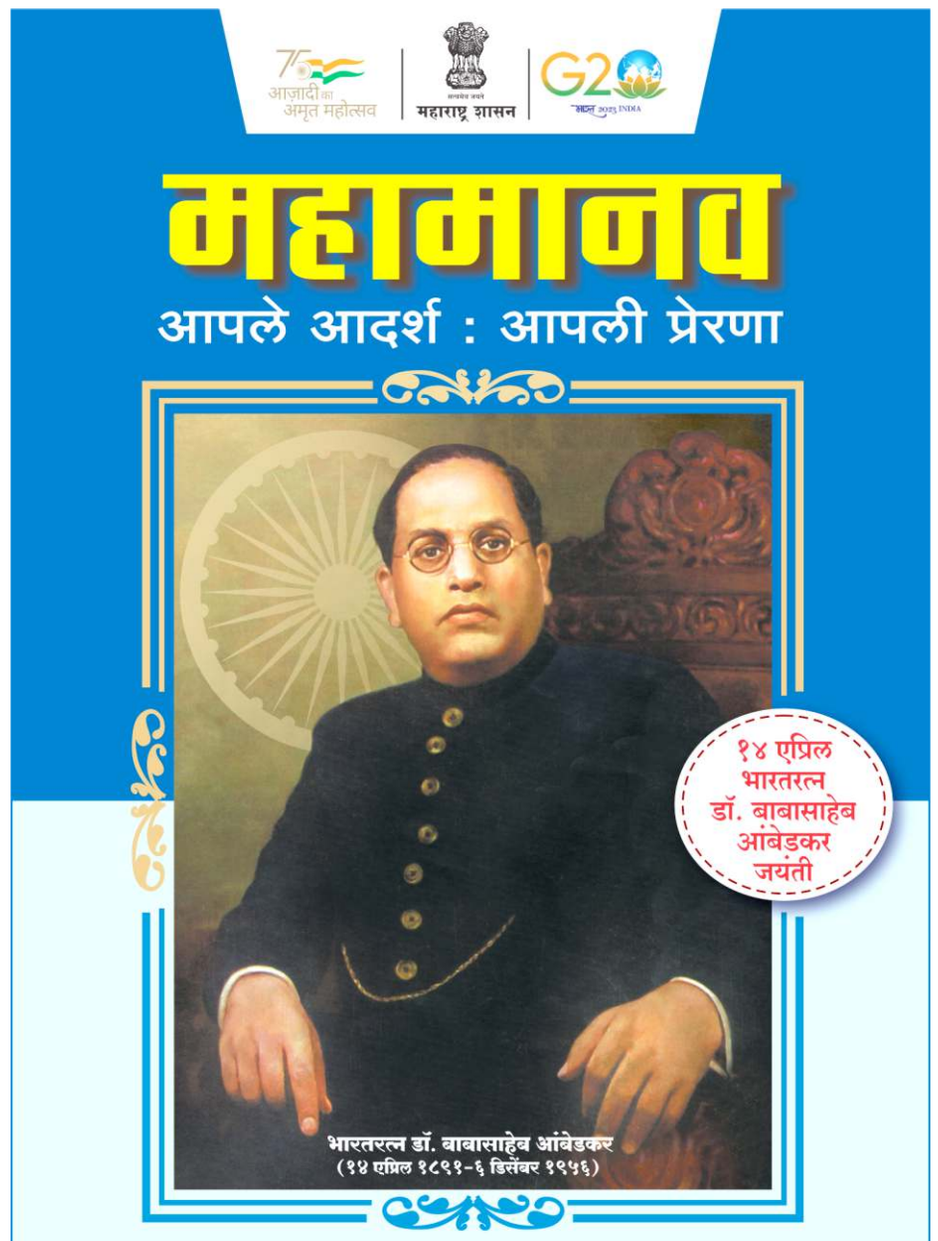

पुलवामा हमले के लिए RDX पहुंचा कैसे? संजय राउत का सवाल

नागपुर: पुलवामा हमले को लेकर तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक के खुलासे के बाद ठाकरे गुट नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने यह सवाल उठाया है कि इतनी कड़ी सुरक्षा के बावजूद आरडीएक्स पुलवामा में पहुंचा कैसे? यह एक बड़ा सवाल है. 40 जवानों की हत्या होने पर भी सरकार चुप बैठी है और किसी देश में ऐसा होता तो संबंधित मंत्री का कोर्ट मार्शल होता. इसका मतलब यही है कि इस सरकार के मन में देश के जवानों के लिए कोई भावना नहीं है. यह तो देश को पहले से ही मालूम था कि पुलवामा हमले में

कुछ तो घोटाला हुआ है. चुनाव जीतने के लिए सत्ताधारियों की ओर से कुछ ना कुछ गड़बड़ी की जाएगी, इसकी आशंका पहले से ही थी. संजय राउत फिलहाल रविवार को होने वाली महाविकास आघाड़ी की संयुक्त सभा की तैयारियों का जायजा लेने के लिए नागपुर में हैं. वहीं पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आज (शनिवार, 15 अप्रैल) यह सवाल उठाया. संजय राउत ने सवाल किया कि पहले पुलवामा में जवानों की हत्या हो और बाद में उस पर राजनीति करके चुनाव जीते जाएं. यही योजना थी क्या? पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने ये उठाए थे सवाल जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने एक न्यूज वेबसाइट को दिए अपने इंटरव्यू में पुलवामा हमले के लिए सीधे मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है. उन्होंने आरोप लगाया है कि इस मुद्दे पर उन्हें चुप रहने की नसीहत दी गई थी. इसी पर संजय राउत ने आज अपनी प्रतिक्रिया दी है. सत्यपाल मलिक ने कहा था कि सीआरपीएफ ने केंद्रीय गृहमंत्रालय से विमानों की मांग की थी. पर यह मांग नकार दी गई थी. सत्यपाल मलिक ने कहा कि उनसे पूछा जाता तो वे जवानों की सुरक्षा के लिए जरूर एयरक्राफ्ट उपलब्ध करवाने की कोशिश करते. सिर्फ पांच विमानों की जरूरत थी. सत्यपाल मलिक का कहना है कि उन्होंने उसी दिन शाम को यह बताया कि पुलवामा हमला अपनी (सरकार की) गलतियों की वजह से हुआ है. लेकिन उन्हें चुप रहने को कहा गया.

परमबीर सिंह ही सचिन वाझे को नौकरी में लाए थे वापस, जेल से निकले अनिल देशमुख ने किया दावा

मुंबई: एनसीपी नेता और राज्य के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख ने रहस्योद्घाटन किया है कि सचिन वाझे को वापस पुलिस की नौकरी में लेने का फैसला तत्कालीन मुंबई पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह का था। अनिल देशमुख ने यह बात एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में कही है। बता दें कि एंटीलिया विस्फोटक मामले और मनसुख हिरेन मर्डर केस में सचिन वाझे आरोपी हैं। सचिन वाझे और परमबीर सिंह के आरोपों के कारण ही अनिल देशमुख कई महीने जेल काटने के बाद जमानत पर रिहा हुए हैं। देशमुख ने कहा कि सचिन वाझे को जब पुलिस सेवा में वापस लिया गया, तो इस फैसले के खिलाफ कई शिकायतें आईं। इसके बाद मैंने तत्कालीन मुंबई पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह को बुलाकर पूछा था कि यह सचिन वाझे कौन है? उसका नाम पहली बार सुन रहा हूं। उसको नौकरी में वापस लेने को लेकर कई शिकायतें हैं। देशमुख ने कहा कि उनके पूछने पर परमबीर सिंह ने कहा कि 'सर, उसके बारे में शिकायत हो सकती हैं, लेकिन मैं उसे 25-30 साल से जानता हूं। उसके बारे में जो शिकायतें हैं, वह झूठी हैं। वह मेरा बहुत करीबी है, इसलिए उससे मुझे काफी मदद मिलेगी।' पुलिस कमिश्नर को ही नौकरी में वापस लेने का अधिकार अनिल देशमुख ने इंटरव्यू में यह भी कहा कि सचिन वाझे सिर्फ एक सब इंस्पेक्टर था। उसे पुलिस की नौकरी में वापस लेने का अधिकार पुलिस कमिश्नर को ही था। अलग-अलग स्तर पर अलग-अलग अधिकार दिए गए हैं। इसलिए कौन अधिकारी किस को नौकरी पर वापस रख रहा है, इसकी जानकारी गृहमंत्री को होना जरूरी नहीं होती।

महाराष्ट्र, बिहार, बंगाल की 130 सीटों का सवाल

मुंबई: शुक्रवार को खबरिया चैनलों ने खबर उड़ा दी कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी उद्धव ठाकरे से मिलने मातोश्री आने वाले हैं। चैनलों पर चली खबर के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई। बीजेपी अचानक हमलावर हो उठी। बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने बयान जारी कर दिया कि जब तक राहुल गांधी सावरकर के मुद्दे पर माफी नहीं मांग लेते, तब तक उन्हें महाराष्ट्र की धरती पर पैर नहीं रखने दिया जाएगा। लेकिन कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले ने यह कहकर सारे मुद्दे की हवा ही निकाल दी कि राहुल गांधी के मुंबई आने का अभी कोई प्रोग्राम नहीं है। दिल्ली के सूत्रों से इस बारे में पुष्टि की गई तो पता चला कि अगले महीने कर्नाटक चुनाव से पहले या चुनाव नतीजों के बाद राहुल गांधी की महाराष्ट्र यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। हालांकि महा विकास आघाडी के नेता चाहते हैं कि मुंबई में 1 मई को होने वाली आघाडी की सभा में राहुल गांधी भी आएं, ताकि पूरे महाराष्ट्र और देशभर में महा विकास आघाडी की एकता का संदेश जाए।

महाराष्ट्र है महत्वपूर्ण

2014 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर विपक्षी एकता की दृष्टि से महाराष्ट्र ही सबसे महत्वपूर्ण प्रदेश है। उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 सीटों के बाद सबसे ज्यादा 48 सीटें महाराष्ट्र में हैं। इसलिए बीजेपी के विजय रथ को रोकने के लिए महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी का गठबंधन न सिर्फ बने रहना जरूरी है, बल्कि इसका मजबूत होना भी जरूरी है। कांग्रेस और राहुल गांधी के लिए भी यह एक बड़ा टास्क है। शरद पवार और संजय राउत दिल्ली में राहुल गांधी से मिलते रहते हैं। आदित्य भी दिल्ली जाकर राहुल से मुलाकात कर चुके हैं। वे राहुल के साथ भारत जोड़ो यात्रा में भी शामिल हो चुके हैं। लेकिन महा विकास आघाडी के नेता उद्धव ठाकरे के साथ राहुल की मुलाकात का होना जरूरी है। इसीलिए राहुल को मुंबई आने का न्योता दिया जा रहा है।

बिहार-बंगाल का ऐक्शन

महाराष्ट्र के बाद पश्चिम बंगाल में लोकसभा की 42 और बिहार में 40 सीटें हैं। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और बिहार को मिलाकर लोकसभा की 130 सीटें होती हैं। इन्हीं 130 सीटों पर बीजेपी के खिलाफ आक्रामक प्रचार को जरूरी माना जा रहा है। यही वजह है कि पिछले दिनों नीतीश और तेजस्वी से राहुल की मुलाकात हो चुकी है। खबर है कि ममता बनर्जी को भी मुलाकात के लिए मना लिया गया है।

टिकट कटने पर बवाल

हिमाचल प्रदेश के बाद अब कर्नाटक चुनाव से पहले बीजेपी में दिख रही नाराजगी कई वजहों से ध्यान खींच रही है। कर्नाटक चुनाव में भी हिमाचल प्रदेश जैसी स्थिति होने के आसार दिख रहे हैं। कर्नाटक में विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी में दिख रही नाराजगी कई वजहों से ध्यान खींच रही है। हालांकि अपने देश में चुनावों से पहले पार्टियों में टिकट बंटवारे को लेकर असंतोष कोई नई बात नहीं है। अक्सर यह विवाद बड़ा रूप भी लेता रहा है। लेकिन पिछले कुछ समय से, खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की अगुआई वाला दौर शुरू होने के बाद से बीजेपी में इस तरह के दृश्य दिखने लगभग बंद हो गए थे। पार्टी खुद को एक अनुशासित इकाई के रूप में पेश करती थी। उसने कई चुनावों में बड़ी संख्या में मौजूदा विधायकों के टिकट काटने के प्रयोग भी शांतिपूर्ण और अनुशासित माहौल में कर दिखाया। मगर कर्नाटक में इस बार स्थितियां एकदम उलट हैं। इससे पहले नवंबर महीने में हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी कुछ सीटों पर बागियों को मनाने में बीजेपी नेतृत्व को परेशानी हुई थी। तब हिमाचल की कुल 68 विधानसभा सीटों में से 21 पर बीजेपी के बागी प्रत्याशी लड़े थे। नतीजा यह कि बीजेपी बहुमत के आंकड़ों तक नहीं पहुंच पाई। जो जानकार कर्नाटक में भी ऐसा ही कुछ होने के आसार जता रहे हैं, उनका तर्क यह है कि अगर पार्टी के अंदर जीत की उम्मीद होती तो बागी प्रत्याशियों को भविष्य में सत्ता में हिस्सेदारी का

आश्वासन काम आ जाता। यह नहीं काम आ रहा, इसका मतलब है कि बीजेपी के लिए संकेत कुछ खास अच्छे नहीं हैं। कर्नाटक बीजेपी के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार ने तो खुलकर कह दिया कि पार्टी टिकट दे या न दे, वह चुनाव लड़ेंगे। दूसरे बड़े नेता ईश्वरप्पा ने खुद चुनाव न लड़ने की बात कही है, लेकिन उनके समर्थक अभी तक सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बड़ी संख्या में पार्टी की लोकल यूनिटों से जुड़े लोगों के पार्टी से इस्तीफा देने की खबरें आ रही हैं। कहा यह भी जा रहा है कि टिकट काटने के फैसले से ज्यादा नुकसान फैसले के ढंग से हुआ है। अगर इन बड़े नेताओं को पहले से विश्वास में लिया जाता तो ये अपने समर्थकों की नजर में अपमानित नहीं महसूस करते। उस स्थिति में पार्टी का नुकसान भी कम होता। बहरहाल, चुनाव में अभी भी वक्त है। बीजेपी नेतृत्व इन असंतुष्ट नेताओं और उनके समर्थकों तक पहुंचकर उनकी बात सुन और अपनी बात उन्हें समझा सकता है। खबर है कि पार्टी नेतृत्व इस काम के लिए येदियुरप्पा का इस्तेमाल करना चाहता है। उन पर यह जिम्मेदारी डाली गई है कि वह नाराज नेताओं से बात करें, उनकी नाराजगी दूर करें। क्या येदियुरप्पा इस प्रयास में सफल होंगे या पार्टी को यहां भी हिमाचल प्रदेश की तरह बागी प्रत्याशियों की चुनौती का सामना करना पड़ेगा, इसका जवाब आने वाले दिनों में मिल जाएगा।

कुपोषण से कैसे मिले छुटकारा

जितने भी सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स (SDGs) ऐसे हैं, जिन्हें 2030 तक हासिल करने में दुनिया नाकाम होने वाली है, और ये बहुत सारे हैं, उनमें सबसे त्रासद और निराशाजनक है भूख और कुपोषण से मुक्ति की दिशा में प्रगति न होना। यह ज्यादा मायूस करने वाली बात इसलिए भी है क्योंकि गरीबी उन्मूलन और सबको रोजगार देने जैसे ज्यादा महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के विपरीत इसका हासिल होना बिल्कुल संभव लग रहा था। आखिर आज के तमाम अमीर देश 20वीं सदी में ही कुपोषण की इस समस्या से मुक्त हो चुके हैं। जापान में साल 1900 तक हर दस में से छह बच्चे कुपोषण का शिकार थे। लेकिन साल 2000 तक स्थिति काफी सुधर गई। चीन पिछले 20 वर्षों में कुपोषण में भारी कमी लाने में सफल रहा। भारत, इथियोपिया और फिलिपींस में भी इसमें कमी आई। लेकिन सबसे गरीब और कमजोर देशों में कुपोषण में गिरावट बिल्कुल नहीं आ रही है। बुरुंडी जैसे देशों में कुपोषण की स्थिति जस की तस बनी हुई है। हमारी नाकामी का अंदाजा दो तथ्यों से हो सकता है। एक, 2.5 करोड़ बच्चे इस साल ऐसे हैं जो ठीक से विकसित नहीं हो पाए। यानी वे इस कदर कुपोषित हैं कि अपनी उम्र के अन्य बच्चों के मुकाबले उनकी लंबाई कम है। ध्यान रहे, बौना होने से अन्य अवसरों की उपलब्धता भी ताउम्र प्रभावित होती रहती है। साल 2015 में ही दुनिया भर की सरकारों ने तय किया था कि 2030 तक SDGs की सूची में दर्ज अन्य वादों की तरह बौनेपन की समस्या से भी मुक्ति पा लेंगे। आधी अवधि बीत चुकी है, लेकिन हम आधी दूरी तय करने से काफी पीछे हैं। कोविड-19 से पहले के ट्रेंड के हिसाब से दुनिया यह लक्ष्य 2116 तक ही हासिल कर पाएगी, यानी तय समय से 86 साल बाद। कुपोषण दूर करने के जो सबसे स्मार्ट तरीके हो सकते हैं, उनमें एक है प्रेग्नेंट महिलाओं पर ध्यान केंद्रित करना। मामूली खर्च पर ही प्रेग्नेंट महिलाओं को पिल्स के रूप में कैल्सियम और अन्य पौष्टिक तत्व उपलब्ध कराए जा सकते हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान अक्सर महिलाओं में महत्वपूर्ण पौष्टिक पदार्थों की कमी हो जाती है क्योंकि उन्हें अपने भोजन से ही गर्भ में पलते बच्चे की भी जरूरत पूरी करनी होती है। नतीजा यह कि मां और बच्चा दोनों कुपोषित हो जाते हैं।

ज्यादातर देश पहले से ही WHO की सिफारिशों के मुताबिक प्रेग्नेंट महिलाओं को आयरन और फॉलिक एसिड मुहैया करा रहे हैं ताकि मांओं को एनीमिया और शिशुओं को न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट्स से बचाया जा सके। इसका मतलब यह कि हेल्थकेयर सेक्टर में थोड़े से प्रशिक्षण और शिक्षण से ही ज्यादा माइक्रो न्यूट्रिएंट्स वाले पिल्स जरूरतमंदों तक पहुंचाए जा सकते हैं। इससे सरकार के खर्च में बहुत मामूली बढ़ोतरी होगी। हर साल 9 करोड़ से ज्यादा लोग निम्न और निम्न मध्य आय वाले देशों में जन्म लेते हैं। इस प्रयास से 3.6 करोड़ प्रेग्नेंट महिलाएं और उनके शिशु लाभान्वित हो सकते हैं। इन नए पिल्स का पहले से ही बड़े पैमाने पर उत्पादन हो रहा है। इनमें आयरन और फॉलिक एसिड के अलावा विटामिन ए, बी1, बी2, डी और ई के साथ ही जिंक, कॉपर, आयोडिन और सेलेनियम जैसे 13 विटामिंस और मिनरल्स होते हैं। इसमें कितनी कम लागत आती है, यह इसी बात से समझा जा सकता है कि 180 दिनों की पूरी अवधि में एक मां पर आने वाला कुल खर्च एक डॉलर से कुछ ही अधिक पड़ता है। मतलब यह कि एक साल में 3.6 करोड़ महिलाओं पर पिल्स के साथ ही हेल्थकेयर ट्रेनिंग जैसे तमाम मद जोड़ लिए जाएं तो भी कुल खर्च आता है 8.4 करोड़ डॉलर मात्र। मल्टी-माइक्रोन्यूट्रिएंट सप्लिमेंट्स हर साल 7,00,000 अजन्मे बच्चों में से 7 फीसदी को बचा सकते हैं। जन्म के समय बच्चे कम वजन के न हुए तो आगे इन बच्चों की उत्पादकता अधिक होती है। इन उपायों से जन्म के समय कम वजन वाले बच्चों के मामलों में 21 फीसदी कमी लाई जा सकती है। दूसरे शब्दों में इससे 14 लाख बच्चों को उच्च उत्पादकता हासिल करने में मदद मिलेगी। वित्तीय गणना करें तो इससे होने वाले फायदे इस पर होने वाले खर्च का 37 गुना ज्यादा बैठते हैं।

कैल्सियम टैबलेट की डिलिवरी अलग से की जाती है। ये काफी बड़े होते हैं। प्रेग्नेंसी के आखिरी 20वें हफ्ते में रोज दो टैब्लेट खाने होते हैं। इस पर लागत हर प्रेग्नेंसी 5.96 डॉलर या कुल करीब 21.6 करोड़ डॉलर आती है। ये माइक्रो-न्यूट्रिएंट्स के मुकाबले दोगुना ज्यादा प्रभावी साबित हो सकते हैं। उतनी ही संख्या में ये समयपूर्व जन्म और कम वजन वाले शिशुओं का जन्म भी टाल सकते हैं। यही नहीं, कैल्सियम एक्सप्लिया और प्री-एक्सप्लिया के मामले भी कम करते हैं। यह एक दुर्लभ लेकिन गंभीर बीमारी है, जो प्रेग्नेंसी या डिलिवरी के दौरान हाई ब्लडप्रेशर के रूप में उभर सकती है। सीधे शब्दों में इसका मतलब यह है कि कैल्सियम हर साल 8,500 मांओं की मौत रोक सकती है। कुल मिलाकर, इस पर होने वाले खर्च (करीब 4 अरब डॉलर) के मुकाबले फायदा 19 गुना ज्यादा है। हालांकि प्रेग्नेंट महिलाओं को दिए जाने वाले माइक्रोन्यूट्रिएंट्स के मिश्रण में बदलाव लाना कुपोषण दूर करने का रामबाण नुस्खा नहीं है। शिशुओं को पूरक भोजन उपलब्ध कराने और उन्हें पहले 1000 दिनों तक पौष्टिक भोजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करने की जरूरत है।

पराग जोबनपुत्रा

युगपुरुष बाबासाहेब आंबेडकर: सशक्त, समरस राष्ट्र के निमार्ता

20वीं सदी में भारत के राजनीतिक एवं सामाजिक परिदृश्य को जिन दो महान शख्सियतों ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, वो हैं- महात्मा गांधी और बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर। यदि कहा जाए कि दोनों पुण्य आत्माओं का महति अवदान मूल्यांकन से परे है, तो यह अतिशयोक्ति न होगी। स्वयं गांधी जी कहा करते थे कि डॉ. आंबेडकर की उपलब्धियां 'दृढ़ हौसले के चमत्कारिक नतीजे' हैं। आज आंबेडकर जयंती का अवसर है। बाबासाहेब के जीवन को समग्र रूप से आत्मसात करने का पल है। बाबासाहेब का जीवन एक कालखंड मात्र नहीं था, बल्कि संघर्ष की ऐसी कहानी थी, जिसमें समाज के हर वर्ग के लिए कुछ आदर्श एवं मूल्य निहित हैं। उनके जीवन में समाज के प्रति समर्पण और समाज-निर्माण का एक अद्भुत संकल्प स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है। जिन संघर्षों और अवरोधों के बीच बाबासाहेब ने अपने जीवन को जिया, उसकी शायद ही कोई दूसरी मिसाल हो। बाबासाहेब डॉ. आंबेडकर केवल एक पेशेवर वकील ही नहीं, एक महान लेखक, अर्थशास्त्री, कानूनविद्, समाजसेवी और युगद्रष्टा भी थे। भारतीय समाज व्यवस्था, आर्थिक तंत्र, राजनैतिक प्रक्रियाओं एवं सभ्यता की उपलब्धियों के प्रति बाबासाहेब की समझ अतुलनीय थी। अपनी इसी विशिष्ट प्रतिभा के चलते वे स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री बने। वह भारतीय संविधान के जनक एवं भारतीय गणराज्य के निर्माताओं में से एक थे। भारतीय संविधान के निर्माण में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए उन्हें 'भारतीय संविधान का पितामह' कहा जाता है। भारतीय संविधान में बहुमूल्य योगदान तथा इस देश को एक नई दिशा देनेवाले बाबासाहेब समता, स्वतंत्रता और समरसता के सौंदर्य के स्वाभाविक प्रतीक पुरुष थे। संविधान के प्रति उनकी भावना इस हद तक जुड़ी थी कि वे कहते थे- 'संविधान मात्र वकीलों का दस्तावेज़ नहीं, बल्कि हमारे जीवन का माध्यम है।' उन्होंने यह भी कहा था, 'यदि मुझे लगेगा कि संविधान का दुरुपयोग हो रहा है तो सबसे पहले मैं ही इस संविधान को जलाऊंगा।' देश की आजादी के बाद, देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती एक ऐसे समावेशी, आदर्श एवं भविष्यवादी संविधान की रचना की थी, जो देश को एक दिशा दे सके और आनेवाले कालखंड में भारतीय प्रजातंत्र की जड़ों को मजबूती प्रदान करता रहे। आज हमारे पास एक ऐसा विस्तृत, सशक्त और समावेशी संविधान है, जिसमें समाज के सभी वर्ग, वर्ण, धर्म या संप्रदाय गौरव महसूस करते हैं। इसका पूरा श्रेय बाबासाहेब को ही जाता है। इस संविधान की सबसे खूबसूरत बात यही है कि यह समाज के सभी वर्गों को समानता, एकरूपता एवं एकात्मकता के साथ लेकर चलने की बात करता है। समानता के समर्थक बाबासाहेब ने शिक्षा को लिंगेतर माना और कहा था, 'शिक्षा का अधिकार जितना पुरुष का है, उतना ही महिलाओं का भी।'

सन् 1951 में बाबासाहेब ने 'भारत के वित्तीय कमीशन' की स्थापना की। देश में प्रजातंत्र को मजबूती देने के लिए निष्पक्ष चुनाव आयोग की परिकल्पना उन्हीं की थी। उनकी सोच का ही सुखद परिणाम है कि आज भारत दुनिया के सबसे बड़े और सशक्त लोकतंत्र के रूप में सुस्थापित है। यही दृष्टि, यही विज़न आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली में भी देखने को नजर आता है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' की उनकी सोच शत-प्रतिशत बाबासाहेब के जीवन-अनुभव और आदर्शों से ही प्रेरित है। एक बार माननीय प्रधानमंत्री जी ने बाबासाहेब के बारे में कहा था कि 'अगर बाबासाहेब नहीं होते तो आज मैं भी नहीं होता!' निश्चित रूप से, बाबासाहेब के विजन का ही परिणाम है कि समाज के अंतिम छोर पर खड़ा व्यक्ति अपने सामर्थ्य से सर्वोच्च शिखर को हासिल कर सकता है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी जीती-जागती मिसाल हैं।

मोदी जी हमेशा बाबासाहेब के विचारों से प्रभावित और प्रेरित रहे हैं। जब वे 2010 में गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने एक भव्य 'संविधान गौरव यात्रा' आयोजित की थी। ऐसा करने वाले वे देश के पहले और अकेले राजनेता हैं। केवल यही नहीं, उनकी यह पदयात्रा बाबासाहेब के विचारों और संविधान के प्रति उनकी अटूट आस्था एवं निष्ठा का परिचायक है। इसकी एक झलक हमें तब देखने को मिली जब प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद वह पहली बार संसद आए तो उन्होंने न केवल संसद, बल्कि संविधान के सामने भी नतमस्तक होकर उसी उच्च और उदात्त भाव से बाबासाहेब को श्रद्धांजलि दी।

समाज और राष्ट्र की प्रगति और उत्थान को लेकर बाबासाहेब के विचार अनुकरणीय हैं। वे हमेशा मानते थे कि अगर किसी समाज की प्रगति को नापना हो तो वहां की महिलाओं के शिक्षा के स्तर को जांच लें। माननीय प्रधानमंत्री जी की 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की सोच उनकी इसी सोच का विस्तार है, जिसे मोदी जी ने नीतिगत रूप से लागू किया है। स्वच्छ भारत, अंत्योदय योजना, उज्ज्वला योजना, डीबीटी, जनधन खाता, राष्ट्रीय शिक्षा नीति जैसे उनके प्रयास बाबासाहेब की आर्थिक-सामाजिक सशक्तीकरण के सपनों को पूरा करने के अनूठे प्रयास हैं।

कश्मीर विषय पर भी बाबासाहेब की सोच और उनके विचार एकदम स्पष्ट थे। संविधान की रचना के समय जब धारा 370 को लेकर चर्चा हो रही थी, एक घटना को जानना बहुत ही जरूरी है। प्रधानमंत्री नेहरू ने शेख अब्दुल्ला को इस विषय पर बाबासाहेब से मिलकर चर्चा करने की सलाह दी थी। डॉ. आंबेडकर ने शेख अब्दुल्ला से मुलाकात के दौरान कहा, 'यदि आप चाहते हैं कि भारत आपकी सीमाओं की रक्षा करे, आपकी सड़कें बनवाए, आपको खाना, अनाज पहुंचाए, फिर तो इस राज्य को भी वही स्टेटस मिलना चाहिए, जो देश के दूसरे राज्यों का है। इसके उलट, आप चाहते हैं कि भारत सरकार के पास आपके राज्य में सीमित अधिकार रहें और भारतीय लोगों के पास कश्मीर में कोई अधिकार नहीं रहे, अगर आप इस प्रस्ताव पर मेरी मंजूरी चाहते हैं तो मैं कहूंगा कि ये भारत के हितों के खिलाफ है। एक भारतीय कानून मंत्री के हिसाब से मैं ऐसा कभी नहीं करूंगा।' उनके शब्द इतने स्पष्ट हैं कि इसमें कोई दो राय नहीं कि बाबासाहेब कश्मीर को स्पेशल स्टेटस देने के पक्ष में बिलकुल भी नहीं थे। उनके इस सपने को, जिसके लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपना बलिदान दिया, पूरा करने का ऐतिहासिक काम प्रधानमंत्री मोदी जी ने 5 अगस्त, 2019 को किया। प्रधानमंत्री मोदी जी ने बाबासाहेब के जीवन से जुड़े पांच विशेष स्थलों को 'पंच तीर्थ' के रूप में विकसित किया और जोड़ा, ताकि आनेवाली पीढ़ी को उनके जीवन और आदर्शों से प्रेरणा मिलती रहे। डॉ. आंबेडकर कहा करते थे, 'हम शुरू से लेकर अंत तक भारतीय हैं और मैं चाहता हूं कि भारत का प्रत्येक मनुष्य भारतीय बने, अंत तक भारतीय रहे और भारतीय के अलावा कुछ न बने।' उनके अनुसार, 'महान प्रयासों को छोड़कर इस दुनिया में कुछ भी बहुमूल्य नहीं है।'

भूपत सांवलिया

किरीट ए. चावड़ा

'एनकाउंटर' बाबा का राज, यूपी में अपराधी साफ?

उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'जीरो टोलरेंस' नीति अतीक जैसे माफिया को घुटनों के बल आने पर मजबूर कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि पूरे देश में एक अलग तरह के तटस्थ शासक के रूप में उभरी है। अपराधियों में मुख्यमंत्री की इस नीति को लेकर खौफ है। किसी भी घटना को अंजाम देने से पहले अपराधी और दंगायियों को 100 बार सोचना पड़ता है। यही कारण है कि रामनवमी जैसे पवित्र दिवस पर पश्चिम बंगाल, बिहार और दूसरे राज्यों में आगजनी और हिंसा हुईं की घटनाएं हुईं, लेकिन उत्तर प्रदेश में इस तरह की कोई वारदात नहीं हुईं। योगी की कार्यशैली को लेकर पूरे देश में सियासी बहस छिडी है। माफिया अतीक के बेटे असद और उसके सूटर गुलाम के एनकाउंटर पर ओवैसी, अखिले यादव धर्म और मजहब का तड़का लगा रहे हैं। निश्चित रूप से सवाल उठाना विपक्ष का राजनीतिक धर्म है। लेकिन अपराध और माफिया को राजनीतिक संरक्षण देना कहां की नीति है। धर्म और जाति को हम वोट बैंक का सहारा कब तक बनाएंगे। प्रयागराज में बसपा विधायक रहे राजूपाल की हत्या के चश्मदीद गवाह उमेश पाल की फरवरी के अंतिम सप्ताह में हत्या कर दी गई। हत्या के बाद पूरे प्रदेश में सियासी माहौल गर्म हो गया। योगी सरकार पर लोग सवाल उठने लगे थे प्रदेश को माफिया मुक्त करने का दावा खोखला साबित हो रहा है। अतीक जैसे माफिया जेल में होने के बाद भी खुली सड़क पर निर्दोष लोगों की हत्या कर रहे हैं। पुलिस को भी निशाना बनाया जा रहा है। इस घटना में दोष निर्दोष गनर भी हत्या के शिकार हुए। सरकार को बुलडोजर नीति और अपराध मुक्त प्रदेश को लेकर कटघरे में खड़ा किया जाने लगा। इस घटना को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेहद गंभीरता से लिया। उन्होंने खुद विधानसभा में ऐलान किया कि अपराधियों को मिट्टी में मिला देंगे। जब अतीक जैसे माफिया के खिलाफ सरकार एक्शन मोड में आ गई तो विपक्ष फिर वोट बैंक के डर से धर्म और मजहब की आड़ लेने लगा। उमेशपाल की हत्या पर जो समाजवादी पार्टी घड़ियाली आंसू बहा रहीं थी वहीं अतीक के खिलाफ कार्रवाई पर सियासी राग अलापने लगी। योगी के एनकाउंटर नीति पर सवाल उठ रहे हैं कि क्या उत्तर प्रदेश में कानून और संविधान को खत्म कर देना चाहिए। ओवैसी सवाल उठा रहे हैं कि संविधान और कानून का क्या मतलब है। फिर अदालत और जज जैसे पद को खत्म कर दिया जाना चाहिए। अपराधियों को सजा देने के लिए अदालत और संविधान है। एनकाउंटर कहीं का इंसाफ नहीं है। बिल्कुल सच है ओवैसी की बात में दम है। हम भी यही चाहते हैं कि पुलिस किसी को भी फर्जी एनकाउंटर में न मारे। ओवैसी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में कानून का एनकाउंटर किया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी एनकाउंटर को फर्जी बताया। उनकी निगाह में सही गलत का फैसला सत्ता नहीं करती। हम अखिलेश यादव और ओवैसी के बातों से बिल्कुल सहमत हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। फिर अतीक ने उमेशपाल की हत्या क्यों करवाई क्या ऐसा होना चाहिए था अगर नहीं तो ओवैसी क्यों चुप थे। योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को एनकाउंटर प्रदेश बना दिया है। 2017 के बाद से उत्तर प्रदेश में 10713 से भी अधिक एनकाउंटर हुए है। पूरे देश में उत्तर प्रदेश शायद इस तरह का इकलौता प्रदेश है। एनकाउंटर में 183 से अधिक अपराधियों का सफाया हुआ। जिसमें मेरठ पुलिस ने सबसे अधिक 3152 एनकाउंटर किए हैं। निश्चित रूप से हम योगी सरकार की एनकाउंटर नीति की मुखालफत करते हैं। एनकाउंटर किसी समस्या का समाधान नहीं है। अपराधियों को खुद को बेगुनाह साबित करने का अवसर मिलना चाहिए। संविधान और कानून को सत्ता के पैरों तले दफ़न नहीं किया चाहिए। मानवीय अधिकारों की पूरी तरह रक्षा होनी चाहिए। हम अखिलेश यादव और ओवैसी की बातों से सहमत हैं। लेकिन हम अपराध और अपराधियों के राजनीतिक संरक्षणवादी नीति के बिलकुल खिलाफ हैं। सवाल यह भी उठता है कि ओवैसी को उस दौरान मजहब क्यों नहीं दिखता। उस दौरान संविधान की याद क्यों नहीं आती। उस दौरान मजहब पर कहाँ चला जाता है जब हैदराबाद में एक डॉक्टर बेटी ने बलात्कार होता है। बाद में आरोपियों का एनकाउंटर कर दिया जाता है। उत्तर प्रदेश में 40 सालों तक अतीक अहमद का माफिया राज चलता है। हजारों लोग उसके अपराध की भेंट चढ़ते हैं। बसपा विधायक रहे राजूपाल की हत्या के बाद खुद को बेगुनाह साबित करने के लिए चश्मदीद गवाह उमेशपाल की प्रयागराज में हत्या कर दी जाती है। लोगों की जमीनों पर अवैध कब्जा किया जाता है। फिर उमेश और राजूपाल की हत्या के समय उन्होंने सवाल क्यों नहीं उठाया। उस समय उनका धर्म और मजहब क्यों नहीं जागा। संविधान और न्याय की बात कहां चली गई। योगी सरकार के एनकाउंटर पर सवाल उठाने वाले लोग 40 साल तक अतीत के माफिया राज पर मौन धारण किए थे। 100 से अधिक मुकदमों के बाद भी किसी अदालत की तरफ से उसे नोटिस तक नहीं दी गई। योगी सरकार में 40 साल के अपराध के बाद पहली बार अतीक और उसके गुर्गे पर शिकंजा कसा तो धर्म और मजहब याद आने लगा। निश्चित रूप से आम लोगों की माफियाओं और गुंडे-बदमाशों से कोई सहानुभूति नहीं है। अतीक जैसे बाहुबली को पांच-पांच बार विधायक और सांसद बनाया गया। इस तरह के अपराधी को सियासी संरक्षण क्यों मिलता रहा। क्या मुसलमान अतीक को पसंद करता है। क्या अतीक के गुनाहों से आम मुसलमान पीड़ित नहीं था।अतीक क्या सिर्फ मजहब और धर्म के आधार पर लोगों की जमीनों पर कब्जा और हत्याएं करता था। मीडिया रिपोर्ट से खुलासा हो रहा है कि उसके संबंध माफिया डॉन अबू सलेम और पाकिस्तान की ख़ुफ़िया एजेंसी आईएसआई एवं लश्कर-ए-तैयबा से भी हैं। हालांकि इस पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी यह जांच का विषय है। लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि अतीक के अपराध का साम्राज्य बहुत बड़ा था। उससे लोग डरते थे। योगी सरकार के पूर्व अब तक प्रदेश में जितनी भी सरकारें बनी सभी ने माफियाओं को संरक्षण दिया और उन्हें टिकट देकर भी संसद और राज्य विधानसभाओं तक भेजा। हालांकि एनकाउंटर पर हमेशा से सवाल उठते रहे हैं चाहे वह हैदराबाद एनकाउंटर रहा हो या फिर बटाला हाउस या विकास दुबे का। निश्चित रूप से एनकाउंटर अपराध की समस्या का समाधान नहीं, लेकिन अपराध को संरक्षण देना भी न्याय नहीं है। योगी सरकार की अपराधियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति से आम लोगों के लिए सुकून और राहत है यह अपने आप में सबसे बड़ी बात है।

महाराष्ट्र में फिर आएगा राजनीतिक भूकंप !

बीजेपी में शामिल होंगे अजित पवार ?

मुंबई: महाराष्ट्र की राजनीति में एक और भूचाल आने की आशंका है। कहा जा रहा है कि बहुत जल्द अजित पवार एनसीपी छोड़कर बीजेपी में शामिल होंगे। यह दावा सामाजिक कार्यकर्ता और पूर्व आम आदमी पार्टी की नेता अंजली दमानिया ने किया है। दमानिया ने इस बाबत एक ट्वीट किया है जिसमें उन्होंने एक तरह से बीजेपी का अगला प्लान बताया है। अब अंजली दमानिया के ट्वीट की वजह से महाराष्ट्र की सियासत में हड़कंप मचा हुआ है। दमानिया ने अपने ट्वीट में लिखा है, 'आज काम के सिलसिले में मंत्रालय गयी थी। वहां एक शख्स ने मुझे रोका और एक दिलचस्प जानकारी दी। उनके मुताबिक बहुत जल्द शिवसेना के 15 विधायक अपात्र हो जाएंगे और अजित पवार बीजेपी के साथ चले जाएंगे।' दमानिया ने आगे लिखा है कि देखते हैं महाराष्ट्र में और कितनी राजनीतिक दुर्दशा होनी बाकी है। बहरहाल आपको ऐसी कुछ वजहें बताते हैं जो इस बात की तरफ इशारा करती हैं कि अंजलि दमानिया की बात सच हो सकती है। 1) जरअंदेश्वर शुगर फैक्ट्री घोटाला से हटा अजित पवार का नाम अजित पवार का नाम जरंदेश्वर शुगर फैक्ट्री घोटाला मामले की चार्जशीट में नहीं दर्ज किया गया है। इस मामले की जांच ईडी कर रही थी। अदालत में ईडी ने जो आरोप पत्र दायर किया है। उसमे अजित पवार और उनके परिवार के लोगों के नाम नहीं हैं। अजित पवार के बीजेपी में जाने की एक वजह यह भी कही जा रही है। हालांकि, इस मुद्दे पर उद्धव गुट के सांसद संजय राउत ने कहा है कि अजित पवार और उनके परिवार का नाम ईडी की चार्जशीट में न होना यह बताता है कि उनका इस मामले से कोई लेना देना नहीं था। ईडी ने जानबूझकर उन्हें परेशान किया था। यह साबित होता है कि केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल विरोधियों को डराने के लिए हो रहा है। 2) कुछ दिन पहले अजित पवार ने अपनी सरकारी सुरक्षा छोड़ दी थी और वह अचानक नॉट रिचेबल हो गए थे। जिसके बाद फिर यह चर्चा छिड़ी थी कि कहीं दोबारा फडणवीस और अजित पवार के बीच कुछ खिचड़ी पक रही है। 3) अजित पवार के बीते कुछ महीनों के बयानों पर नजर दौड़ाएं तो यह पता चलता है कि वह पीएम मोदी, अमित शाह, देवेंद्र फडणवीस पर सीधे हमला नहीं करते या ऐसा करने से बचते हैं। हाल में जब विपक्ष पीएम मोदी की डिग्री को लेकर शोर मचा रहा था। तब अजित पवार पवार ने कहा था कि यह कोई मुद्दा नहीं है। देश में इससे भी बड़े मुद्दे हैं। जिनपर ध्यान देने की जरुरत है। 4) अजित पवार और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की दोस्ती के बारे में भी पूरा महाराष्ट्र जानता है। दोनों ही नेताओं ने एक-दूसरे पर कभी भी सीधे हमले नहीं किये हैं। इसके अलावा तीन साल पहले जब फडणवीस और पवार ने मिलकर सुबह के समय सरकार बनाई थी। तब अजित पवार को सिंचाई घोटाले से भी राहत मिली थी। 5)एनसीपी प्रमुख शरद पवार भी इन दिनों महाविकास अघाड़ी से कुछ उखड़े- उखड़े नजर आ रहे हैं। जेपीसी का मुद्दा हो, पीएम की डिग्री का मुद्दा हो सावरकर का मुद्दा हो या फिर उद्धव ठाकरे का सीएम पद से इस्तीफ़ा देना। इन विषयों पर शरद पवार और अजित पवार ने अलग ही रुख अपनाया था।

शरद पवार की MVA को सलाह

भले ही सहयोगियों में मतभेद क्यों न हो लेकिन....

एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कहा कि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को एकजुट होकर काम करना चाहिए, भले ही सहयोगियों में मतभेद क्यों न हो. बता दें कि महाराष्ट्र में कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना के गठबंधन को एमवीए कहा जाता है. पत्रकारों से बातचीत में शरद पवार ने कहा कि मंगलवार को शिवसेना (यूबीटी) नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ बातचीत के दौरान हमने सहयोगियों के बीच एकता के मुद्दे पर चर्चा की. उन्होंने कहा कि सहयोगियों की एकजुटता को लेकर कुछ कार्यक्रम को लेकर भी बात की गयी.

उन्होंने कहा कि सभी को इन कार्यक्रमों में हिस्सा लेना चाहिए. यह वह नीति है जिस पर हम कल (11 अप्रैल) सहमत हुए थे. एमवीएम में किस मुद्दे पर हुए मतभेद बता दें कि पवार के अडानी-हिंडनबर्ग मामले में जेपीसी की मांग को 'टारगेडेट' बताया था. पवार द्वारा जेपीसी का विरोध किये जाने पर विपक्ष ने असहमती जताई थी. एनसीपी के सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस ने जेपीसी जांच का समर्थन किया था. हालांकि बाद में पवार ने सफाई देते हुए कहा था कि यदि विपक्ष इस मामले पर जेपीसी जांच की मांग कर रहा है तो वो विपक्ष की एकता के लिए वह उसका विरोध नहीं करेंगे.

उन्होंने यह भी कहा था कि यदि जेपीसी का गठन होता है तो लोकसभा और राज्य सभा में बीजेपी की संख्या को देखते हुए इस पैनल में सत्ता पक्ष के 14-15 सदस्य होंगे जबक विपक्ष के केवल 6 सदस्य होंगे जिसका मतलब है कि जेपीसी के निर्णय में सत्ता पक्ष का दखल ज्यादा होगा. उन्होंने कहा था कि इस पैनल का नेतृत्व बीजेपी ही करेगी. उन्होंने कहा कि इसके बजाय इस मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त पैनल को करनी चाहिए. वहीं मंगलवार को मराठी चैनल को दिए एक इंटरव्यू में शरद पवार ने कहा था कि उद्धव ठाकरे ने एमवीए के घटकों से परामर्श किए बगैर ही जून 2022 में मुख्यमंत्री पद छोड़ दिया था.

मौलाना राबे हसनी नदवी का निधन

लखनऊ। देश में मुसलमानों के सबसे बड़े संगठन 'ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड' के अध्यक्ष मौलाना राबे हसनी नदवी का बृहस्पतिवार को लखनऊ में निधन हो गया। वह 94 वर्ष के थे। बोर्ड के एक सदस्य ने इसकी जानकारी दी। बोर्ड के वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए बताया, मौलाना राबे हसनी नदवी पिछले काफी समय से बीमार थे। बृहस्पतिवार दोपहर बाद करीब साढ़े तीन बजे उन्होंने लखनऊ स्थित इस्लामी शिक्षण संस्थान नदवतुल उलमा (नदवा) में आखिरी सांस ली।

अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण करेंगे केसीआर

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव शुक्रवार को संविधान निर्माता बीआर आंबेडकर की जयंती पर यहां उनकी 125 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण करेंगे। राव ने हाल में आंबेडकर की विशाल प्रतिमा के अनावरण, नए सचिवालय परिसर के उद्घाटन और अन्य मामलों पर मंत्रियों तथा अधिकारियों के साथ बैठक की थी। बैठक में निर्णय लिया गया कि शुक्रवार को आंबेडकर की प्रतिमा पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कर श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इससे पहले एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया था कि आंबेडकर के पोते प्रकाश आंबेडकर को इस कार्यक्रम में एकमात्र मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा।

चप्पलों का लेबल छापने वाली इकाई में आग

कोलकाता। कोलकाता में चप्पलों के लेबल की छपाई करने वाली एक इकाई में बृहस्पतिवार को सुबह भीषण आग लगने से पिता-पुत्र की जलकर मौत हो गई, तथा परिवार का एक अन्य सदस्य बुरी तरह झुलस गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, तोपसिया फर्स्ट लेन में स्थित इकाई में सुबह 7:20 बजे आग लगी। उन्होंने कहा, चार दमकल गाड़ियों को आग पर काबू पाने में दो घंटे से ज्यादा का समय लगा। घटना में झुलसे व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग लगने के कारणों का पता हमारी फॉरेंसिक टीम लगा रही है। पिता और दोनों बेटे चप्पलों के लेबल की छपाई करने वाली इकाई में काम कर रहे थे। परिसर में ज्वलनशील पदार्थ रखा था।

संदेह में कंपनी मैनेजर को प्रताड़ित किया, मौत

शाहजहांपुर। जिले में एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के मैनेजर की चोरी के संदेह में कंपनी के मालिक ने कथित तौर पर बुरी तरह पिटाई की और बिजली का करंट लगाया जिससे उसकी मौत हो गई। सोशल मीडिया पर बुधवार को आए एक वीडियो में मैनेजर शिवम जोहरी एक खंभे से बंधा हुआ और एक व्यक्ति उसे पीटते हुए नजर आ रहा है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) बीएस वीर ने बृहस्पतिवार को बताया, थाना कोतवाली अंतर्गत अजीजगंज मोहल्ले में रहने वाले शिवम जौहरी (33) अजीजगंज में ही सूरी ट्रांसपोर्ट कंपनी में मैनेजर था।

बॉम्बे हाई कोर्ट वैवाहिक विवादों में बच्चों को लेकर अहम टिप्पणी

मुंबई:बॉम्बे हाई कोर्ट ने मंगलवार को एक याचिका पर सुनवाई करते हुए वैवाहिक विवादों में बच्चों को लेकर अहम टिप्पणी की है। हाई कोर्ट ने वैवाहिक विवादों में बच्चों को गुलाम या चल संपत्ति की तरह इस्तेमाल किए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है और एक महिला को अपने 15 वर्षीय बेटे के साथ थाईलैंड से भारत आने का निर्देश दिया है, ताकि वह अपने पिता और भाई-बहनों से मिल सके। न्यायमूर्ति आर. डी. धानुका और न्यायमूर्ति गौरी गोडसे की पीठ ने कहा, 'इस तरह के विवाद हमारे देश में सबसे कड़वी लड़ाई वाले मुकदमे हैं।' पीठ ने कहा कि एक बच्चे पर माता-पिता के अधिकारों से अधिक महत्वपूर्ण उस बच्चे का कल्याण है। पीठ एक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने थाईलैंड में अपनी मां के साथ रहने वाले अपने 15-वर्षीय बेटे से मिलने की अनुमति देने का अनुरोध किया है। पीठ ने कहा कि लड़के को अपने माता-पिता के बीच कड़वाहट भरे मुकदमे के कारण गहरा झटका लगा है और वह अपने पिता से मिलने का इच्छुक है। बच्चों को गुलाम या संपत्ति के रूप में नहीं माना जा सकता है, जहां माता-पिता का अपने बच्चों के भाग्य और जीवन पर पूर्ण अधिकार हो। बच्चे का कल्याण सर्वोपरि है, न कि माता-पिता के कानूनी अधिकार। अलग रहे पति-पत्नी के दो बालिग बच्चे हैं, जिनमें एक पुत्र और एक पुत्री है। ये दोनों अपने पिता के साथ रहते हैं।

आगामी चुनावों को लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस का अहम फैसला

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले की अध्यक्षता में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने भविष्य में होने वाले लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय चुनावों को लेकर एक समन्वय समिति का गठन किया है. इस समिति में 17 लोगों को शामिल किया गया है. पृथ्वीराज चव्हाण, अशोक चव्हाण और सुशील शिंदे जैसे पूर्व मुख्यमंत्रियों को इस समिति में शामिल किया गया है. चुनावों में बेहतर प्रदर्शन कांग्रेस के लिए बेहद अहम बता दें कि महाराष्ट्र में अगले साल विधानसभा का चुनाव होना है, इसके अलावा देश में लोकसभा का चुनाव भी अगले साल ही होगा. केंद्र की सत्ता पर सबसे लंबे समय तक राज करने वाली कांग्रेस आज महज कुछ ही राज्यों में सिमटकर रह गई है. ऐसे में कांग्रेस के लिए इन दोनों ही चुनावों में बेहतर प्रदर्शन काफी महत्वपूर्ण हो जाता है. पिछले लोकसभा चुनाव में केवल एक सीट पर सिमट गई थी कांग्रेस बात अगर महाराष्ट्र की करें तो महाराष्ट्र में कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना (एमवीए) का गठबंधन है. महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं. 2024 के लोकसभा चुनाव में राज्य में बेहतर प्रदर्शन करना इन तीनों दलों के लिए बेहद अहम है. पिछले लोकसभा चुनाव में शिवसेना ने 18 सीटों पर जीत हासिल की थी जबकि बीजेपी के खाते में 23 गई थीं. वहीं एनसीपी के खाते में चार और कांग्रेस के खाते में एक सीट आई थी.

सीएम एकनाथ शिंदे का एलान, गोवा में चुनाव लड़ेगी शिवसेना, जल्द शुरू करेगी ये अभियान

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के एक वरिष्ठ नेता ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी गोवा में चुनाव लड़ेगी और जल्द ही इसके लिए एक जनसंपर्क अभियान शुरू करेगी. शिवसेना नेता आनंदराव अडसुल ने कहा कि बीजेपी के साथ गठबंधन कर महाराष्ट्र में सत्ता में मौजूद पार्टी को गोवा में चुनाव जीतने के लिए जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत है. क्या बोले पूर्व लोकसभा सदस्य अडसुल? पूर्व लोकसभा सदस्य अडसुल ने कहा कि पूर्व में अविभाजित शिवसेना ने गोवा में चुनाव लड़ा था,

लेकिन वह बिना दृढ़ विश्वास के लड़ी थी.

उन्होंने कहा, ''शिवसेना गोवा में अगला चुनाव दृढ़ विश्वास के साथ लड़ेगी और एक नयी शुरुआत करेगी. गोवा के लोगों को आश्वस्त होना चाहिए कि यह पार्टी उनके लिए काम करने के लिए यहां है. हमें लोगों के मन-मस्तिष्क पर प्रभाव पैदा करने की जरूरत है.''

नेताओं ने दिखाई शिवसेना में शामिल होने की रुचि द हिंदू ,इ छपी एक खबर के अनुसार, उन्होंने कहा कि कई स्थानीय नेताओं ने शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी में शामिल होने में रुचि दिखाई है, जिसे फरवरी में चुनाव आयोग द्वारा शिवसेना नाम और 'धनुष और तीर' चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया था. अडसुल ने उद्धव ठाकरे और संजय राउत पर साधा निशाना शिवसेना के नेता अडसुल ने उद्धव ठाकरे और सांसद संजय राउत पर भी निशाना साधा. उन्होंने आरोप लगाया कि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) राज्यसभा सांसद संजय राउत और अन्य जिन्हें अतीत में गोवा में पार्टी मामलों के प्रभारी नामित किया गया था, राज्य में उम्मीदवारों को चुनाव टिकट देते समय मौद्रिक विचारों से प्रभावित होते थे. राउत ने मंगलवार देर रात तक अडसुल के दावे पर उनकी टिप्पणी मांगने वाले संदेशों का जवाब नहीं दिया.

उद्धव ठाकरे और शरद पवार की बैठक

शिवसेना (UBT) के नेता संजय राउत ने बुधवार (12 अप्रैल) को कहा कि उद्धव ठाकरे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के अध्यक्ष शरद पवार ने एक दिन पहले अपनी बैठक के दौरान महाराष्ट्र और देश के राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा की. राउत ने इस बैठक को ''सकारात्मक'' करार दिया. शिवसेना (यूबीटी) के नेता ठाकरे मंगलवार (11 अप्रैल) देर शाम दक्षिण मुंबई में पवार के आवास पर उनसे मिलने पहुंचे थे. राउत ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस महासचिव केसी. वेणुगोपाल ने बैठक के लिए ठाकरे से समय मांगा है. उन्होंने कहा कि वेणुगोपाल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के प्रतिनिधि के तौर पर ठाकरे से मुलाकात करेंगे और प्राथमिकता विपक्षी एकता को बनाए रखना है. 'यह एक सकारात्मक बैठक थी' हिंदुत्व विचारक दिवंगत वी.डी. सावरकर पर राहुल गांधी की टिप्पणी के बाद कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) में तनावपूर्ण संबंधों के बीच ठाकरे और वेणुगोपाल के बीच संभावित बैठक होगी. पवार और ठाकरे के बीच बैठक के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कहा, ''एक लंबी और महत्वपूर्ण बैठक हुई. महाराष्ट्र और देश के राजनीतिक घटनाक्रम और भविष्य की दिशा बदलने पर चर्चा हुई.

शरद पवार ने कहा, बिना सलाह उद्धव ने दे दिया था इस्तीफा

मुंबई: एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने खुलासा कि जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था, तो सहयोगी दलों एनसीपी और कांग्रेस से कोई सलाह-मशविरा नहीं किया था। उन्होंने आगे कहा कि उद्धव केवल अपनी पार्टी की वजह से मुख्यमंत्री नहीं बने थे। उनके मुख्यमंत्री बनने में कांग्रेस और एनसीपी के विधायकों का योगदान था, लेकिन उन्होंने किसी से सलाह-मशविरा नहीं करते हुए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। एनसीपी प्रमुख के इस बयान के बाद राज्य की सियासत में फिर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। महाविकास अघाड़ी को लेकर भी तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। इस बात की भी चर्चा है कि एनसीपी कहीं एमवीए से किनारा करने के मूड में तो नहीं है। यह भी कहा जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में पवार एनसीपी को ज्यादा से ज्यादा सीटें दिलाने के लिए प्रेशर पॉलिटिक्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसकी बड़ी वजह यह है कि उद्धव गुट फ़िलहाल कमजोर हालत में है। बहरहाल मंगलवार की देर शाम उद्धव ठाकरे शरद पवार के घर सिल्वर ओक पहुंचे। पिछले दिनों में महाविकास अघाड़ी के बीच बन रही दरारों को पाटने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। एक मराठी न्यूज चैनल को दिए साक्षात्कार में शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के बारे में पवार

ने कहा कि हमारे और उनकी बीच दोस्ताना रिश्ते थे। उद्धव अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे है।

उद्धव ठाकरे ने एकनाथ शिंदे को ललकारा

बीजेपी नेता और राज्य सरकार में मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने बाबरी मस्जिद विध्वंस में शिवसेना के एक भी कार्यकर्ता के शामिल नहीं होने के दावे पर उद्धव ठाकरे ने ललकारा है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए या फिर पाटिल से उनके बयान को लेकर इस्तीफा मांगा जाना चाहिए। उद्धव ठाकरे ने दोपहर में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि जब मस्जिद गिराई जा रही थी, तब ये चूहे अपने बिलों में छिपे थे। उनकी पार्टी का हिंदुत्व 'राष्ट्रवाद' है और बीजेपी को स्पष्ट करना चाहिए कि उसका हिंदुत्व क्या है? उद्धव ठाकरे ने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पाटिल के बयान को लेकर या तो इस्तीफा दे देना चाहिए या पाटिल से इस्तीफा मांगना चाहिए। शिवसेना (UBT) के नेता संजय राउत ने भी एक ट्वीट में पूछा कि क्या शिंदे पाटिल के दावे को स्वीकार करते हैं ? यदि नहीं, तो मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। बीजेपी नेता चंद्रकांत पाटील ने पुणे में पत्रकारों से दावा किया था कि 1992 में बाबरी मस्जिद गिराए जाने के समय शिवसेना का एक भी कार्यकर्ता वहां मौजूद नहीं था। 'कारसेवा' में किसी ने भी अपनी पार्टियों के सदस्य के रूप में भाग नहीं लिया था, बल्कि वे सिर्फ हिंदू के रूप में शामिल हुए थे। इस पर उद्धव ने पाटील पर तीखा हमला करते हुए कहा कि तब ये चूहे अपने बिलों में छिपे थे।

गर्मियों में शरीर को बनाए रखना है ठंडा तो जानिए लू से बचाव के आयुर्वेदिक उपाय

राज के.वेगड़

गर्मियों के मौसम में चलने वाली गर्म हवा या लू शरीर को बाहरी और अंदरूनी तौर पर परेशान कर देती है। लू लगने से कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। गर्मियों में गर्म हवा, सूखापन शारीरिक समस्याओं की वजह बनता है। जिससे वात दोष बढ़ना शुरू हो जाता है और इससे त्वचा पर चकत्ते पड़ने लगते हैं, त्वचा में रूखापन आने लगता है, स्किन की चमक चली जाती है और डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। लोगों को गर्मी के दिनों में एसिडिटी, जी मिचलाना, अपच जैसी समस्याएं भी हो जाती हैं। ऐसे में कुछ आसान उपायों से गर्मी में लू से होने वाली समस्याओं से राहत पाई जा सकती हैं और शरीर को ठंडा रख सकते हैं। यहां गर्मी के मौसम में शरीर के तापमान को बढ़ने से रोकने और ठंडा बनाये रखने के कुछ आयुर्वेदिक हेल्थ टिप्स बताएं जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप गर्मियों में होने वाली बीमारी से राहत पा सकते हैं।

गर्मी से राहत के चार आयुर्वेदिक उपाय

आंवला

आंवला में लाभकारी आयुवैदिक गुण हैं, वात और पित्त दोष दोनों को संतुलित रखता है। इससे शरीर को ठंडक मिलती है। आंवला के सेवन से कफ भी दूर होता है। गर्मियों में कच्चे आंवले का सेवन शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है।लू या

चिलचिलाती हवा से शरीर को होने वाले नुकसान से आंवला बचाता है। गर्मियों में आप आंवला का जूस, कच्चा, अचार, आंवला पाउडर या मुरब्बे का सेवन कर सकते हैं।

गुलकंद

गर्मी के मौसम में थकान, सुस्ती और शरीर मे जलन व खुजली की

समस्या भी हो जाती है। इसके अलावा गर्मियों में एसिडिटी, पेट फूलने के कारण पेट में जलन भी हो सकती है। गर्मियों में होने वाली इन परेशानियों से राहत पाने के लिए गुलकंद का सेवन करना चाहिए। गुलकंद आंतों और पेट की समस्या से राहत पहुंचाता है।

सेब का सिरका

गर्मियों में अगर लू लग जाए तो शरीर मे मिनरल और इलेक्ट्रोलाइट की कमी हो जाती है। गर्मी के मौसम में तापमान बढ़ने से शरीर में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे जरूरी मिनरल की मात्रा काफी कम हो सकती है। इससे बचाव और मिनरल की कमी को पूरा करने के लिए सेब के सिरके का सेवन करें। सेब का सिरका सेहत के लिए फायदेमंद है। रोजाना दिन में दो बार दो चम्मच सेब के सिरके को एक गिलास पानी में मिलाकर सेवन करें।

बेल का शरबत

आयुर्वेद के मुताबिक, गर्मियों में बेल के शरबत को सेहत के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। बेल में विटामिन सी और फाइबर की मात्रा बहुत अधिक होती है। बेल के शरबत के सेवन से शरीर को ठंडक मिलती है। बेल का शरबत लू और सूखेपन से बचाव करता है और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। गर्मियों में होने वाली शारीरिक समस्याओं से राहत चाहते हैं तो रोजाना दो बार बेल के जूस का सेवन खाना खाने से पहले करें।

दवा के साथ न करें इन चीजों का सेवन, सेहत पर पड़ सकता है दुष्प्रभाव

स्वस्थ रहने के लिए अच्छी लाइफस्टाइल होना जरूरी होता है। योग और व्यायाम के साथ ही पौष्टिक आहार का सेवन भी व्यक्ति की सेहत पर प्रभाव डालता है। हालांकि मौसमी बीमारी, संक्रमण, खानपान व बिगड़ी जीवन शैली के कारण कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं। बीमार होने पर लोग चिकित्सक के पास जाते हैं और उनकी सलाह पर दवाइयों का सेवन करते हैं। हालांकि अगर आपको लगता है कि दवा खाने मात्र से आप स्वस्थ हो सकते हैं, तो आप गलत हैं। कई बार दवा का साइड इफेक्ट हो जाता है। दवाएं भी नुकसान पहुंचा सकती हैं। लोगों को दवा खाने के सही तरीके के बारे में पता नहीं होता, ऐसे में दवा रोग पर असर नहीं करती, साथ ही दुष्प्रभाव अलग करती है। ऐसे में दवा का सेवन करते समय कुछ सावधानियां भी रखें। चलिए जानते हैं कि दवा के साथ किन चीजों का सेवन भूल से भी नहीं करना चाहिए, वरना दुष्प्रभाव भी हो सकता है।

एनर्जी ड्रिंक्स

जब आप किसी रोग पर दवा का सेवन करते हैं, तो उसके साथ एनर्जी ड्रिंक नहीं पीनी चाहिए। एनर्जी ड्रिंक्स के साथ दवा लेने से शरीर पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। दवा के डिजा ॅल्व होने का समय भी ज्यादा लगता है।

शराब

शरीर के लिए धूम्रपान नुकसानदायक है। दवा के साथ शराब या किसी भी तरह के मादक पदार्थ का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे सेहत पर तो बुरा असर पड़ता ही है, साथ ही एक साथ दोनों के सेवन से लीवर को भी काफी नुकसान हो सकता है। शराब के साथ दवा लेने से लीवर संबंधी कई विकार का जोखिम बढ़ जाता है।

डेयरी प्रोडक्ट्स

अक्सर लोग दूध के साथ दवा का सेवन करते हैं। दूध भले ही सेहत के लिए फायदेमंद है लेकिन कुछ एंटीबायोटिक दवा के असर को कम भी कर सकता है। दूध में कैल्शियम, मैग्नीशियम, मिनरल्स और प्रोटीन पाए जाते हैं, जो दवाइयों के साथ मिलने पर दवा के असर को कम कर देते हैं। चिकित्सकों के मुताबिक, एंटीबायोटिक के साथ दूध या

डेयरी प्रोडक्ट का सेवन नहीं करना चाहिए।

मुलेठी

आयुर्वेद में मुलेठी को सेहत के लिए

चार्ल्स पटेल

लाभकारी बताया गया है। मुलेठी पाचन तंत्र को मजबूत करती है और पेट संबंधी कई समस्याओं से राहत दिलाती है। लेकिन मुलेठी में ग्लाइसीरिजिजिन पाया जाता है, जो कई दवाओ के असर को कम कर सकता है।

पत्तेदार सब्जियां

बीमार व्यक्ति को पोषण देने के लिए हरी पत्तेदार सब्जियों के सेवन की सलाह दी जाती है। हालांकि कुछ दवाओं को पत्तेदार सब्जियों के साथ लेने से दवा का प्रभाव बाधित होता है। केल, ब्रोकली या विटामिन के से भरपूर सब्जियां दवाओं के प्रभाव में बाधा डाल सकती हैं।

कैंसर और हृदय रोग के खतरे से बचाता है प्याज, फायदों के साथ जानें नुकसान

महेक जोबनपुत्रा

प्राकृतिक औषधियों से युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन सेहत के लिए बहुत लाभकारी होता है। इन्हीं अतुल्य प्राकृतिक भोज्य पदार्थों में प्यार शामिल है, जिसका स्वास्थ्य पर असर डालता है। शरीर की कई समस्याओं को दूर करने के लिए प्याज का सेवन फायदेमंद होता है। विशेषज्ञ गर्मियों में कच्चा प्याज खाने की सलाह देते हैं। कच्चा प्याज लू और शरीर की गर्मी से बचाव करता है। इसके अलावा कई तरह के रोगों के उपचार में भी कच्चा प्याज का सेवन कर सकते हैं। अक्सर महिलाएं बाल झड़ने की समस्या से छुटकारा पाने के लिए भी कच्चे प्याज के रस का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन ऐसा नहीं कि कच्चा प्याज हमेशा ही फायदेमंद ही होता है। कई बार अधिक मात्रा में प्याज का सेवन नुकसानदायक हो सकता है। प्याज का अधिक सेवन आंत को प्रभावित करता है और पेट की समस्या कर सकता है। चलिए जानते हैं प्याज खाने के फायदे और नुकसान के बारे में।

प्याज में पाए जाने वाले पोषक तत्व

प्याज में पर्याप्त मात्रा में सोडियम, पोटेशियम, फोलेट्स, विटामिन ए, सी, और ई, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और फास्फोरस पाया जाता है। इसके

अलावा प्याज में एंटी-इंफ्लेमेटरी के गुण पाए जाते हैं। एंटी-एलर्जिक, एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-कार्सिनोजेनिक गुण भी प्याज में मिलते हैं। प्याज एक तरह का सुपरफूड है।

हृदय के लिए फायदेमंद

एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्याज में फ्लेवोनोइड्स के गुण होते हैं, जो शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता हैं। इसके अलावा प्याज का सेवन थियो सल्फाइट्स रक्त की स्थिरता को सही बनाए रखता है। जिससे हृदय घात और स्ट्रोक का खतरा कम हो सकता है। प्याज कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है।

प्याज कैंसर में फायदेमंद

कच्चा प्याज कैंसर से लड़ने में असरदार है। प्याज में सल्फर की मात्रा बहुत अधिक होती है, जो कैंसर सेल्स नहीं बढ़ने देता है। साथ ही कैंसर से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है।

हड्डियों को बनाए मजबूत

प्यार का नियमित सेवन हड्डियों को मजबूती देता है। वैसे तो हड्डियों के लिए डेयरी पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है लेकिन प्याज के सेवन से भी हड्डियों को मजबूत करने में मदद मिलती है। प्याज में भी काफी कैल्शियम पाया जाता है।

बालों के लिए फायदेमंद प्याज

प्याज में एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो बालों की मजबूत, ग्रोथ में लाभकारी हैं। बाल को घने, चमकदार और तेजी से लंबाई बढ़ाने के लिए प्याज का रस सिर पर लगाया जाता है, इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और स्कैल्प मजबूत होता है। बालों का सफेद होना या रूसी एक आम समस्या है लेकिन प्याज का सेवन बालों को काला और डैंड्रफ मुक्त करता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष राशि : इस सप्ताह आपको आशाजनक समाचार ज्ञात होंगे। आपकी योजनाएं सफल होंगी। आपके लिए यात्रा पर जाने का योग बन सकता है। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। आपका आत्मविश्वास समस्याओं से बाहर निकलने में मदद करेगा। पुरानी समस्याओं से जल्द ही बाहर निकलेंगे और शनिवार से समय आपके पक्ष में होगा। ।

वृषभ राशि : अत्यधिक कार्य, अनावश्यक तनाव बढ़ाने वाला हो सकता है। स्वयं पर भरोसा रखना ज्यादा श्रेयस्कर होगा। आपको अपने लक्ष्य को पाने में कठिनाई होगी और घरेलू विवाद भी बढ़ सकते हैं। रुका हुआ धन वापस मिलने के योग हैं। सप्ताह के अंत तक आपको प्रसन्नता की प्राप्ति होगी एवं संतान से सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन राशि : इस सप्ताह भाग्य आपका साथ देगा और योजनाएं सफल होंगी। आपकी अपेक्षाएं पूर्ण होंगी एवं सुखदायक यात्राएं हो सकती है। आपकी आय अच्छी बनी रहेगी। मंगल एवं बुधवार को कार्य की अधिकता होगी। पिता से सहयोग प्राप्त होगा। अटके हुए धन की प्राप्ति होगी। ऋण की समस्याएं समाप्त होंगी। वर्कप्लेस पर सीनियर्स का सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क राशि : सप्ताह के आरंभ में वैचारिक अस्थिरता रहेगी एवं शुभचिंतकों के प्रति संशय हो सकता है। चंद्र की स्थिति मंगल एवं बुधवार से सुधार करेगी एवं संयम का विकास होने के साथ ही वित्तीय सुधार होंगे। परिवार के लिए समय निकालने में कठिनाई होगी। अनअपेक्षित लोगों से सहयोग लेना पड़ सकता है। गुरु एवं शुक्रवार को व्यस्तता अधिक रहेगी।

सिंह राशि : उपेक्षा करने वाले भी समर्थन करेंगे एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त होगा। वित्तीय मामलों में बड़ी सफलता प्राप्त होगी एवं स्थायी संपत्ति को प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी एवं सम्मान प्राप्त होगा। मंगल एवं बुधवार को चिंताएं बढ़ेंगी एवं व्यय की अधिकता होगी। निकट के लोग भी दूर जा सकते हैं।

कन्या राशि : रवि एवं सोमवार अजीब सी स्थिति में रहेंगी। विरोधी हावी होने का प्रयास करेंगे। कार्य मे मन नहीं लगेगा एवं नकारात्मकता हावी रहेगी। षड्यंत्र का शिकार हो सकते हैं। मंगल एवं बुधवार को अच्छे दिन रहेंगे।आय बढेगी एवं योजनाएं सफल होंगी। मित्रों से मदद मिलेगी। गुरु एवं शुक्रवार को पुनः समस्याएं आ सकती हैं। कुछ बेकार की बातें परेशान कर सकती हैं। आय कमजोर रहेगी एवं ऋण लेने की आवश्यकता हो सकती है।

तुला राशि : संतान से सहयोग प्राप्त होगा। अति उत्तम समय सभी ओर विजय एवं यश की प्राप्ति कराएगा। मंगल एवं बुधवार को कोई विरोध विचारों को कुंठित कर सकता है। ग्रहों का सहयोग राजोचित सम्मान भी दिलाएगा।वाहन एवं अन्य सुखों को प्राप्त करेंगें। गुरु एवं शुक्रवार को बेहतर समय रहेगा। आय की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक राशि : आपके लिए समय उतार- चढ़ाव भरा हो सकता है। पूर्व में किए निर्णय पर पछतावा होगा। आपको अनावश्यक समस्याएं आ सकती है। आपके बुद्धिमता पूर्ण कार्यों में कोई बराबरी नहीं कर पाएगा एवं एक साथ कई सफलता को प्राप्त करने का समय है। गुरु एवं शुक्रवार को विरोधी हावी होने का प्रयास करेंगे।

धनु राशि : आपका पराक्रम श्रेष्ठ बना रहेगा। भाइयों से सहयोग मिलेगा। भाग्य का साथ रहेगा। कार्यों में सफलता की प्राप्ति होगी। समस्याओं का निदान होगा। मंगल एवं बुधवार को घरेलू मामलों में परेशानी आएगी एवं दूसरों के हित के लिए किया गया कार्य भी विरोध उत्पन्न करेगा। आपको निर्णयों में बदलाव करना पड़ सकता है।

मकर राशि : इस सप्ताह आपका संघर्ष समाप्त होगा एवं परिवार के साथ मनोरंजन में समय व्यतीत होगा। आपको मित्रों से भी सहयोग प्राप्त होगा एवं नए कार्यों की भी प्राप्ति होगी। मंगल एवं बुधवार को समय आपके पक्ष में रहेगा। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा एवं आय में वृद्धि होगी। शुक्र एवं शनिवार को मामूली तनाव रह सकता है।

कुंभ राशि : शनि एवं चंद्र की युति से बेहतरीन अवसरों की प्राप्ति होगी। यह योग सरकारी कार्यों में सफलता एवं प्रभाव में वृद्धि करने वाला होगा। समकक्षों में श्रेष्ठ रहेंगें एवं बात मनवाने में सफल होंगें। कार्यों का विस्तार संभव हैं। दान आदि देने में या दूसरों की सहायता करने में उदार हो सकते है। मंगल एवं बुधवार को स्थाई सपंत्ति से लाभ के आसार बनेंगे।

मीन राशि : द्वादश चंद्र सप्ताहारंभ में कठिनाई उत्पन्न कर सकता है। आपकी आय में कमी और व्यय में अधिकता हो सकती है। अनावश्यक तनाव बढ़ेगा एवं आय की कमी रहेगी। चिंताएं भी रह सकती हैं। मंगल एवं बुधवार को कार्यो में गति आएगी तथा वित्तिय सुधार होगा। विचारों में उत्तेजना रहेगी एवं व्यवस्था के साथ स्वभाव के अनुसार समायोजन कर लेंगे। गुरु एवं शुक्रवार को सहयोग प्राप्त होगा। आय बढ़ेगी एवं चिंताएं समाप्त होंगी।

चुटकुले

पापा- बेटी बड़ी हो के क्या करोगी?
बेटी- शादी...
पापा- गलत बात है...
अभी से किसी का बुरा नहीं सोचते...

पप्पू की तरफ देखकर जज बोला-तुमने पुलिस वाले की जेब में माचिस की तीली क्यों रखी?
पप्पू-साहब ने खुद बोला था
जमानत करवानी है, तो पहले जेब गर्म करना पड़ेगा।
अब आप ही बताइए पप्पू की क्या ही गलती है?

टीचर: एक टोकरी में 10 आम हैं, उसमें से 2 आम सड़ गए, बताओ कितने आम बचे?
संजू: सर, 10 आम.
टीचर: वो कैसे?
संजू: सड़ने के बाद आम तो आम ही रहेगा ना, केला तो बन नहीं जाएगा.

लड़की: आज पापा ने मुझे तुम्हारे साथ बाइक पर जाते देख लिया..
लड़का: ओह, फिर क्या हुआ?
लड़की: वही जिसका डर था...
बस के किराए के पैसे वापस ले लिए
लड़की बात सुनकर लड़का हैरान रह गया।

पत्नी- सुनो, मेरा भी फेसबुक पर अकाउंट बना दो...
पति- तुम्हें फेसबुक चलाना आता है?
पत्नी- आप चलाना मैं पीछे बैठ जाउंगी...
पत्नी की बात सुनकर पति ने सिर पकड़ लिया।

इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्यों को आजीवन मिलेगा पेंशन

1937 में स्थापित इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (IMPPA) अपने आरंभिक काल से ही फिल्म निर्माताओं को सरंक्षण देने में अग्रणी रही है।इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के वरिष्ठ नागरिक सदस्यों के लिए एक अच्छी खबर है। एसोसिएशन के द्वारा वरिष्ठ सदस्यों को आजीवन पेंशन देने की घोषणा की गई है। विदित हो कि इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन पहले से ही सभी सदस्यों को दुर्घटना बीमा और आपातकालीन चिकित्सा सहायता के साथ-साथ सदस्यों के बच्चों को पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए शैक्षिक सहायता प्रदान कर रहा है, जिसका भुगतान आईएमपीपीए द्वारा अनुरोध पर सीधे संबंधित अस्पताल/शैक्षिक संस्थान को किया जा रहा है।इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन की नवीनतम आजीवन पेंशन योजना पर प्रकाश डालते हुए इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अभय सिन्हा ने बताया कि एसोसिएशन के सभी वरिष्ठ नागरिक सदस्य, जो इस आजीवन पेंशन सुविधा का लाभ उठाने के इच्छुक हैं, वो इसके लिए लिखित आवेदन कर सकते हैं ताकि एसोसिएशन द्वारा अपने जरूरतमंद सदस्यों को 'आईएमपीपीए वेलफेयर ट्रस्ट' से आजीवन पेंशन प्रदान करने के लिए त्वरित कार्यवाही किया जा सके।

प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के स्टार प्रमोद और तेजस्विनी शर्मा अभिनीत फिल्म 'इंग्लिश शिवा' पैन इंडिया होगी रिलीज

मुम्बई। कन्नड़ फिल्मों के कलाकार अब पूरे भारत में अपनी धाक बनाते जा रहे हैं। केजीएफ, केजीएफ 2 और कांतारा फिल्म को हिंदी भाषी दर्शकों ने खूब सराहा है। पैन इंडिया रिलीज़ के बढ़ते ट्रेंड की कड़ी में अब एक और साउथ की फिल्म पूरे भारत के सिनेमाघरों में एक साथ रिलीज के लिए तैयार है। कन्नड़ फिल्मों के अभिनेता प्रमोद और अभिनेत्री तेजस्विनी शर्मा के अभिनय से सजी बहुभाषी फिल्म इंग्लिश शिवा 21 अप्रैल 2023 को कन्नड़, तमिल, तेलूगु, हिंदी, मलयालम, बंगाली और मराठी में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म का ट्रेलर मुम्बई के रेड ब्लब स्टूडियो में लॉन्च किया गया, जहां प्रमोद और तेजस्विनी शर्मा के साथ निर्देशक आर्या एम महेश और निर्माता डेविड आर उपस्थित थे। इन्फेंट सिने क्रिएशन्स के बैनर तले बनी कन्नड़ फ़िल्म 'इंग्लिश मांजा' का हिंदी नाम 'इंग्लिश शिवा' रखा गया है। फिल्म के ट्रेलर में अन्य साउथ फिल्मों की भांति जबर्दस्त एक्शन, स्टाइल, म्युज़िक का शानदार मिश्रण है जिसमें प्रमोद छाए हुए हैं। प्रमोद ने बताया कि इंग्लिश शिवा एक कमर्शियल फिल्म है। कर्नाटक के अलग अलग हिस्सों में इस फिल्म की शूटिंग करने में हमें लगभग 75 दिन लगे। मैंने अब तक जो भी फिल्में की है, यह फिल्म और यह किरदार उससे बहुत अलग है। मैं बहुत खुश और उत्साहित हूं कि हिंदी सहित सात भाषाओं में रिलीज होने वाली यह मेरी पहली फ़िल्म है और इस लिहाज से यह मेरे लिए एक बड़ी फिल्म है। इंग्लिश शिवा मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि टाइटल रोल में यह मेरा पहला बिग प्रोजेक्ट है। इसमें कई खतरनाक स्टंट सीन हैं, साथ ही गाने भी हैं, बेहतरीन स्क्रिप्ट है और मुझे आशा है कि यह मुझे एक मास हीरो की इमेज देगी। इसमे मेरा राउडी अंदाज़ दर्शकों को अवश्य पसन्द आएगा। इस फिल्म के माध्यम से यह मैसेज दिया गया है कि प्यार ज़िंदगी में बहुत जरूरी है जो पैसे से भी ऊपर होती है।आर्य एम महेश द्वारा निर्देशित इस एक्शन फिल्म इंग्लिश शिवा में तेजस्विनी शर्मा के साथ प्रमोद की एक खूबसूरत प्रेम कहानी है। फिल्म के निर्माता डेविड आर ने कहा कि इंग्लिश शिवा का स्क्रिप्ट शानदार है इसकी कहानी प्यार, दोस्ती, एक्शन और ड्रामा से भरपूर है।

इस फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।बता दें कि प्रमोद की यह छठवीं फिल्म है। उनके पास इंग्लिश शिवा के अलावा कई फिल्में हैं। लेकिन उनके करियर की बहुप्रतीक्षित फिल्म सालार है जिसमें अभिनेता प्रभास के साथ प्रमोद की महत्वपूर्ण भूमिका है।तेजस्विनी शर्मा ने ट्रेलर लॉन्च के अवसर पर बताया कि फिल्म में उनके किरदार का नाम कमली है जो बड़ी बबली किस्म की लड़की है, बहादुर है मासूम भी है। लेकिन उसका एक अतीत है कैसे वह शिवा से मिलती है। कमली के आने से राउडी शिवा का जीवन बदल जाता है। फिलहाल बहुत ज़्यादा एक्साइटेड हूँ कि मेरी फिल्म इंग्लिश शिवा एक साथ 7 भाषाओं में रिलीज हो रही है।

यह मेरी पहली पैन इंडिया रिलीज है हालांकि मैं कई साउथ की फिल्में कर चुकी हूं। बॉलीवुड में प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट को पसन्द करने वाली तेजस्विनी शर्मा हालांकि इंजीनियर हैं लेकिन एक्टिंग और मॉडलिंग का शौक उन्हें फिल्म जगत में ले आया।इस फिल्म की खास बात यह है कि केजीएफ में यश और कांतारा में ऋषभ शेट्टी की दमदार आवाज़ को हिंदी में डब करने वाले सचिन गोले ने इंग्लिश शिवा में प्रमोद की डबिंग की है।

- संतोष साहू

जमशेदपुर में हिंसा मामले में भाजपा नेता समेत तीन और लोग अरेस्ट

जमशेदपुर। जमशेदपुर में एक धार्मिक झंडे के कथित अपमान को लेकर हाल में भड़की हिंसा के सिलसिले में पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता सहित तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने भाजपा जमशेदपुर महानगर कमेटी के उपाध्यक्ष सुधांशु ओझा को मंगलवार रात गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया कि शास्त्रीनगर क्षेत्र में दो समुदायों के बीच रविवार को हुई हिंसा के सिलसिले में अब तक कुल 70 लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें भाजपा नेता अभय सिंह और सुधांशु ओझा शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस बीच, शास्त्रीनगर में हुई हिंसा के सिलसिले में मंगलवार को गिरफ्तार किए गए एक वकील को हथकड़ी लगाए जाने के विरोध में वकीलों ने बुधवार को यहां की एक स्थानीय अदालत में न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया। जमशेदपुर अदालत में वकालत करने वाले वकील चंदन चौबे को पुलिस ने गिरफ्तार किया था और हथकड़ी लगा दी थी। जमशेदपुर बार एसोसिएशन की तदर्थ समिति के प्रमुख अजीत अंबष्ठ ने कहा, हम चौबे को हथकड़ी लगाए जाने का कड़ा विरोध करते हैं और दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ 12 घंटे के अंदर कार्रवाई की मांग करते हैं, नहीं तो हम कल भी विरोध जारी रखने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने कहा, हम उपायुक्त से मुलाकात करेंगे और चौबे के साथ किए गए व्यवहार से उन्हें अवगत कराएंगे। उन्होंने बताया कि चौबे को हथकड़ी लगाए जाने के विरोध में वकीलों ने अदालत परिसर में प्रदर्शन भी किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को मिलेगा बल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लगभग 71,000 नव नियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री इस अवसर पर इन नव नियुक्त कर्मचारियों को संबोधित भी करेंगे। नव नियुक्त कर्मचारी देश के विभिन्न हिस्सों में 45 स्थानों पर उपस्थित होंगे, जहां विभिन्न मंत्रालयों/विभागों द्वारा रोजगार मेले आयोजित किए जाएंगे।

इस क्रम में पश्चिम रेलवे पर रोजगार मेला अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट और रतलाम में आयोजित किया जाएगा। पश्चिम रेलवे में कुल 4360 नव नियुक्त कर्मचारियों को उनके नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे। इनमें से 559 नियुक्तियां ग्रुप सी में हैं जबकि 3801 नियुक्तियां लेवल 1 में हैं। भारतीय रेलवे में नियुक्तियों के अलावा अन्य सरकारी विभागों/ संगठनों/ पीएसयू जैसे इंडिया पोस्ट, राजस्व विभाग, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा आदि में भर्ती होने वाले कर्मचारियों को भी नियुक्ति पत्र वितरण किया जाएगा। इन नव नियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र इन स्थानों पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सौंपे जाएंगे। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ राजकोट में उपस्थित रहेंगे।

इस कार्यक्रम में लगभग 190 नव नियुक्त कर्मचारी उपस्थित रहेंगे, जिनमें से 70 कर्मचारी रेलवे के हैं। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ रतलाम में उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम में लगभग 300 नव नियुक्त कर्मचारी उपस्थित रहेंगे, जिनमें से 267 कर्मचारी रेलवे के हैं। केंद्रीय कपड़ा और रेल राज्य मंत्री दर्शना जरदोश अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ वडोदरा में उपस्थित रहेंगी। इस कार्यक्रम में लगभग 340 नव नियुक्त कर्मचारी उपस्थित रहेंगे, जिनमें से 305 कर्मचारी रेलवे के हैं। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ अहमदाबाद में उपस्थित रहेंगे।

इस कार्यक्रम में लगभग 913 नव नियुक्त कर्मचारी उपस्थित रहेंगे, जिनमें से 873 कार्मिक रेलवे के हैं। रोजगार मेला रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने बताया कि आशा है कि रोजगार मेला आगे रोजगार सृजन में एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। देश भर से चुने गए नव नियुक्त कर्मचारी भारत सरकार के अंतर्गत विभिन्न पदों जैसे ट्रेन मैनेजर, स्टेशन मास्टर, सीनियर कमर्शियल कम टिकट क्लर्क, इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, कांस्टेबल, स्टेनोग्राफर, जूनियर अकाउंटेंट, पोस्टल असिस्टेंट, इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, टैक्स असिस्टेंट, सीनियर ड्राफ्ट्समैन, जेई/सुपरवाइजर, असिस्टेंट प्रोफेसर, टीचर, लाइब्रेरियन, नर्स, प्रोबेशनरी ऑफिसर, पीए, एमटीएस, और अन्य विभिन्न पदों पर नियुक्त होंगे। नव नियुक्त कर्मचायों को कर्मयोगी प्रारंभ के माध्यम से खुद को प्रशिक्षित करने का अवसर भी मिलेगा, जो विभिन्न सरकारी विभागों में सभी नव नियुक्त कर्मचारियों के लिए एक ऑनलाइन ओरिएंटेशन कोर्स है।

आंध्र प्रदेश के सीएम ने वाईएसआर ईबीसी नेस्तम योजना के तहत 659 करोड़ जारी किए

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई. एस. जगनमोहन रेड्डी ने वाईएसआर ईबीसी नेस्तम की दूसरी किस्त के तहत 659 करोड़ रुपए जारी किए हैं, जिससे 4.3 लाख जरूरतमंद महिलाओं को फायदा होगा। यहां मरकापुरम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने रेड्डी, कम्मा, आर्यवैश्य, ब्राह्मण, क्षत्रिय, वेलामा और अन्य उच्च जातियों की महिलाओं के लिए सहायता राशि जारी की। सहायता राशि 45 से 60 साल की महिला लाभार्थियों के खाते में सीधे जमा कराई जाएगी। इस योजना का मकसद महिलाओं को खुद का उद्यम स्थापित करने में सक्षम बनाना है, ताकि वे आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें। रेड्डी ने एक बयान में कहा कि एक परिवार की हर महिला के जीवन की कहानी उतनी ही महान और प्रेरणादाई है, जितनी किसी प्रसिद्ध महिला की। उन्होंने कहा कि कैसे ए महिलाएं विभिन्न बाधाओं को पार करते हुए अपने परिवार के कल्याण के लिए प्रयास करती हैं।वाईएसआर ईबीसी नेस्तम योजना के तहत, आंध्र प्रदेश सरकार राज्य की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें उद्यमी में तब्दील करने के लिए तीन साल तक प्रति वर्ष 15 हजार रुपए की वित्तीय मदद प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि यह योजना हालांकि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के 2019 के चुनावी घोषणापत्र में शामिल नहीं थी लेकिन बाद में मुख्यमंत्री द्वारा उच्च जातियों की जरूरतमंद महिलाओं की मदद के लिए इसे शुरू किया गया था। आंध्र प्रदेश सरकार इस योजना के तहत अब तक।,257 करोड़ रुपए जारी कर चुकी है।

केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान में जीवनशैली के मुद्दों और स्वास्थ्य पर चर्चा

केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान, कांके, रांची ने विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया। विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम, सभी के लिए स्वास्थ्य पर सीआईपी के कर्मचारियों के लिए आरबी.डेविस ऑडिटोरियम में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मनोचिकित्सा के निदेशक और प्रोफेसर (डॉ.) बासुदेब दास ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के महत्व और वर्तमान दुनिया में जीवन शैली के मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए एक उद्घाटन भाषण दिया। मनोचिकित्सा के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार सूर्यवंशी ने जीवन शैली के मुद्दों और स्वास्थ्य पर प्रभाव पर अपनी बात रखी। गैर-संचारी रोगों पर

काबू पाने के बारे में सरल कदमों का उल्लेख किया। आशुतोष उपाध्याय, मनोवैज्ञानिक, ने स्वास्थ्य और कल्याण पर एक सत्र लिया। उन्होंने स्वास्थ्य के आध्यात्मिक पहलुओं के आधार पर बात की। स्वास्थ्य संबंधी पहलुओं के बारे में एक प्रश्न और उत्तर सत्र था, स्वस्थ जीवन प्राप्त करने के लिए क्या करें और क्या न करें पर चर्चा की गई। मनोवैज्ञानिक सामाजिक कार्य विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. के. प्रसाद द्वारा समापन टिप्पणी और धन्यवाद प्रस्ताव दी गई। विभिन्न विभागों के इंटर्न सहित लगभग 150 स्वास्थ्य कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। अन्य गणमान्य व्यक्ति, डॉ. जे.एस. कच्छप, डॉ. अविनाश शर्मा, डॉ. अरविंद, और सोरेन बाला सुरीन सीआईपी, रांची के विभिन्न विभागों के संकाय और कर्मचारियों के साथ कार्यक्रम का हिस्सा थे। कार्यक्रम के उपरांत सभी प्रतिभागियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई।

पटना हवाई अड्डा पर बम होने की फर्जी कॉल करने वाले को हिरासत में लिया

पटना स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फोन करके परिसर में बम रखे होने का दावा करने वाले व्यक्ति को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। बुधवार की सुबह ऐसा फोनकॉल आने के बाद सुरक्षा अधिकारियों में हड़कंप मच गया था। हालांकि, गहन जांच के बाद यह सूचना फर्जी निकली। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने बताया कि एक लैंडलाइन नंबर पर सुबह आए फोनकॉल में हवाई अड्डा परिसर में बम होने की सूचना दी गई थी। जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, सूचना के आधार पर हवाई

अड्डा बम धमकी आकलन समिति ने इसका विश्लेषण किया और इसे विशिष्ट नहीं पाया। उन्होंने बताया कि पूरे टर्मिनल भवन, पार्किंग क्षेत्र और कार्यालय भवन की सुरक्षा बलों ने गहन तलाशी जांच की, लेकिन कोई बम या संदिग्ध वस्तु नहीं मिला। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा ने कहा कि पुलिस ने उक्त फोनकॉल की जांच के सिलसिले में एक व्यक्ति को समस्तीपुर से हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि फोनकॉल करने वाला व्यक्ति घटना के वक्त नशे की हालत में था। मिश्रा ने पहले बताया था, हां, फोनकॉल आया था कि हवाई अड्डा परिसर में बम रखा गया है, लेकिन यह अफवाह निकली। अब तक कुछ नहीं मिला है। एयरपोर्ट (हवाई अड्डा) की पूरी बिल्डिंग (भवन) की अच्छी तरह से तलाशी ली गई लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। यात्रियों को कोई असुविधा पहुंचाए बिना तलाशी अभियान चलाया गया। मामले की और जांच की जा रही है। हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार, शहर के हवाई अड्डे पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है और एहतियात के तौर पर यात्रियों की दो से तीन बार तलाशी ली जा रही है।

चुनाव *कर्नाटक में घमासान जारी*

सिद्धरमैया, शिवकुमार के खिलाफ भाजपा ने बड़े नेताओं को मैदान में उतारा

कर्नाटक के दो निर्वाचन क्षेत्रों में कड़ा मुकाबला होने की संभावना प्रतीत हो रही है क्योंकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सिद्धरमैया और डी के शिवकुमार के खिलाफ पार्टी के बड़े नेताओं को मैदान में उतार दिया है। हालांकि कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस प्रमुख शिवकुमार और विधानसभा में विपक्ष के नेता सिद्धरमैया बुधवार को इसको लेकर बेफिक्र नजर आए। भाजपा ने मंगलवार को 189 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची घोषित करते हुए वरिष्ठ मंत्री वी सोमन्ना को वरुणा विधानसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के खिलाफ जबकि आर

अशोक को कनकपुरा सीट पर कांग्रेस नेता डी के शिवकुमार के खिलाफ खड़ा किया। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा, उन्हें चुनाव लड़ने दीजिए मैं उनका स्वागत करता हूं, जो भी मेरे खिलाफ चुनाव लड़ेगा, मैं उसका स्वागत करता हूं। शिवकुमार ने कहा, मैं उन्हें (अशोक को) शुभकामनाएं देता हूं। राजनीति में मुकाबला होना चाहिए। यह मेरे लिए कोई नई बात नहीं है क्योंकि मैंने 1985 में एच डी देवेगौड़ा के खिलाफ चुनाव लड़ा था, बाद में एच डी कुमारस्वामी के खिलाफ। मेरा जीवन एक संघर्ष है, मैं लड़ना जारी रखूंगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस कदम के पीछे भाजपा नेतृत्व की मंशा यह सुनिश्चित करना प्रतीत होती है कि सिद्धरमैया और शिवकुमार दोनों अपने-अपने क्षेत्रों से यथासंभव हद तक बंध जाएं, ताकि कांग्रेस की जीत के लिए अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में उनका प्रचार और रणनीति बनाना सीमित हो सके। शिवकुमार और सिद्धरमैया दोनों ने कथित तौर पर कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व से कहा है कि वे केवल अपना नामांकन दाखिल करने के लिए ही अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में जाएंगे और अपना पूरा समय अन्य कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करने के लिए लगाएंगे ताकि अधिकांश क्षेत्रों में पार्टी की जीत सुनिश्चित की जा सके। सोमन्ना लिंगायत समुदाय से आते हैं और इस समुदाय की वरुणा में अच्छी खासी मौजूदगी है, जबकि अशोक को भाजपा के प्रमुख वोक्कालिगा चेहरे के तौर पर देखा जाता है, जिससे शिवकुमार भी आते हैं। सोमन्ना चामराजनगर से भी चुनाव लड़ेंगे और अशोक पद्मनाभनगर क्षेत्र से (जिसका वह वर्तमान में प्रतिनिधित्व करते हैं)। यह याद करते हुए कि उन्होंने चामुंडेश्वरी उपचुनाव के दौरान सिद्धरमैया के लिए प्रचार किया था जब वे एक ही पार्टी में थे और कैबिनेट सहयोगियों के रूप में उनके साथ काम किया था, सोमन्ना ने कहा कि वरुणा निर्वाचन क्षेत्र उनके लिए नया नहीं है। उन्होंने कहा, मैं अपना काम करूंगा। शिवकुमार के खिलाफ मैदान में उतारे जाने के बारे में अशोक ने कहा, पार्टी के एक निष्ठावान सिपाही के रूप में वह अपने कमांडर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के निर्देश का पालन करेंगे।

महाप्रबंधक ने उत्कृष्ट कार्य-निष्पादन करने वाले टिकट जांच कर्मचारियों को किया सम्मानित

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान उत्कृष्ट कार्य-निष्पादन करने वाले पश्चिम रेलवे के चार टिकट जांच कर्मचारियों को सम्मानित किया। हाल ही में चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे के मुख्यालय में पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक प्रकाश बुटानी और प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक प्रवीण चंद्र परमार की उपस्थिति में पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को सम्मानित किया गया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा के अनुसार पुरस्कार प्राप्तकर्ता चार कर्मचारियों में से राजकोट मंडल के उप मुख्य टिकट निरीक्षक के. डी. ओझा ने उचित टिकट के बिना यात्रा करने और बिना बुक किए सामान ले जाने वाले यात्रियों से जुर्माने के रूप में 1-1 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली कर उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की है। उत्कृष्ट कार्य-निष्पादन करने वाले अन्य कर्मचारियों में अहमदाबाद मंडल के वरिष्ठ टिकट परीक्षक अजमेर सिंह, अहमदाबाद मंडल की उप मुख्य टिकट निरीक्षक शैल तिवारी और चर्चगेट के फ्लाइंग स्क्वॉड की मुख्य टिकट निरीक्षक गीताबेन वसावा शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर ने आगे बताया कि एक टिकट जांचकर्ता के लिए न केवल वास्तविक यात्रियों के बीच बिना टिकट यात्रा करने वाले बेटिकट यात्रियों का पता लगाने के लिए कौशल और चतुराई की आवश्यकता होती है, बल्कि ऐसे यात्रियों से जुर्माने की राशि लेने के लिए नियमों का अच्छा ज्ञान और नियमों को समझाने के कौशल की भी आवश्यकता होती है। पश्चिम रेलवे को ऐसे कुशल और समर्पित टिकट जांच कर्मचारियों पर गर्व है।

SPORTS खेल जगत

गुजरात टाइटन्स ने दिया किंग्स को करारा झटका

● पंजाब से छह विकेट से मैच जीता

गत चैम्पियन गुजरात टाइटन्स ने गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराया। इससे पहले पंजाब किंग्स की टीम शुरुआती झटकों और गत गत चैम्पियन गुजरात टाइटन्स की शानदार गेंदबाजी से गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में आठ विकेट 153 रन ही बना सकी। बल्लेबाजी के मुफीद पिच पर शानदार फॉर्म में चल रहे शिखर धवन (08) और युवा सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह धमाल नहीं दिखा सके और सस्ते में आउट हो गए। मैथ्यू शॉर्ट 36 रन (24 गेंद, छह चौके, एक छक्का) बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। गुजरात टाइटन्स के लिए आईपीएल में वापसी करने वाले अनुभवी गेंदबाज मोहित शर्मा ने 18 रन देकर दो विकेट झटके। मोहम्मद शमी (44 रन देकर एक विकेट) ने पहले ही ओवर में सफलता दिलाई। राशिद खान, जोश लिटिल और अल्जारी जोसफ को भी एक एक विकेट मिला। पंजाब किंग्स ने अंतिम पांच ओवर में 54 रन जोड़कर चार विकेट गंवाए जिसमें से दो खिलाड़ी 20वें ओवर में रन आउट हुए। इस स्कोर में उसके विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने 25 जबकि सैम करन और शाहरूख खान ने 22-22 रन का योगदान दिया। पारी की दूसरी गेंद पर पंजाब किंग्स ने पहला विकेट गंवा दिया। प्रभसिमरन खाता भी नहीं खोल सके और शमी की गेंद को फ्लिक करने की कोशिश में आसान सा कैच देकर आउट हुए। शॉर्ट ने क्रीज पर आते ही लगातार दो चौके जड़ दिए। धवन ने दूसरे ओवर में दो चौके जड़कर अपने इरादे दिखाए और फिर अगले ही ओवर में शॉर्ट ने शमी पर कवर्स और मिडऑफ में लगातार चौके लगाए। लेकिन धवन की बड़ी पारी खेलने की उम्मीद लिटिल ने तोड़ दी। इस गेंदबाज की गुडलेंथ गेंद को मिडऑन पर खेलने के प्रयास में वह जोसफ को कैच दे बैठे, इस तरह गुजरात ने बड़ा विकेट हासिल किया। धवन के विकेट गिरने की खुशी कप्तान हार्दिक पंड्या ने तालियां बजाकर जाहिर की। दो विकेट गिरने के बावजूद शॉर्ट ने रन गति पर इसका असर नहीं पड़ने दिया। उन्होंने पांचवें ओवर की अंतिम गेंद पर डीप मिडविकेट पर पारी का पहला छक्का जड़ा जिससे पावरप्ले में पंजाब किंग्स का स्कोर दो विकेट पर 52 रन था। लेग स्पिनर राशिद ने अपने पहले ही ओवर में खूबसूरत गुगली से शॉर्ट की 36 रन (छह चौके, एक छक्का) की पारी समाप्त की जिससे मेजबान टीम का स्कोर तीन विकेट पर 55 रन हो गया। जितेश शर्मा (25 रन) और भानुका राजपक्षे (20 रन) ने चौथे विकेट के लिए 37 रन जोड़े लेकिन कभी भी आक्रामक नहीं दिखे। पावरप्ले के बाद पंजाब किंग्स की रन गति में काफी तेजी से गिरावट आने लगी और फिर मोहित गेंदबाजी करने उतरे जिन्होंने अपना अंतिम आईपीएल मैच 2020 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेला था। मोहित ने अपने दूसरे ओवर में जितेश का विकेट झटक लिया जो रिव्यू के बाद पवेलियन पहुंचे। पंजाब किंग्स ने 15.2 ओवर में 100 रन पूरे किए और इसी ओवर में सैम करन ने पारी का दूसरा छक्का राशिद खान की गेंद को मिडविकेट पर पहुंचाकर जड़ा। राजपक्षे ने काफी धीमी बल्लेबाजी की और 17वें ओवर में जोसफ ने उनकी 20 रन की पारी को विराम लगाया। शाहरूख ने आते ही पहली गेंद पर जोसफ पर डीप मिडविकेट पर गगनचुंबी छक्का लगाया। करन (22 गेंद, एक चौका, एक छक्का) और शाहरूख ने कुछ बेहतरीन शॉट लगाकर स्कोर यहां तक पहुंचाया, वर्ना स्थिति और खराब हो सकती थी। शाहरूख ने अंतिम ओवर में रन आउट होने से पहले नौ गेंद में एक चौके और दो छक्के लगाए। पंजाब ने पहले 10 ओवर 75 रन और फिर अगले 10 ओवर में 78 रन बनाए।

स्कोरबोर्ड

पंजाब किंग्स :प्रभसिमरन का राशि बो शमी 00, धवन का जोसफ बो लिटिल 08,शॉर्ट बो राशिद 36, राजपक्षे का गिल बो जोसफ 20, शर्मा का साहा बो मोहित 25,करन का गिल बो मोहित 22, खान रन आउट 22, बराड़ नाबाद 08,धवन रन आउट 01,**अतिरिक्त** : 11,**कुल योग**: 20 ओवर में आठ विकेट पर 153 रन,**विकेट पतन** :1-0, 2-28, 3-55, 4-92, 5-115, 6-136, 7-152, 8-153,**गेंदबाजी** : शमी 4-0-44-1,लिटिल 4-0-31-1,जोसफ 4-0-32-1,राशिद 4-0-26-1, शर्मा 4-0-18-2

आईपीएल-16 स्टेडियम से

बिशप की बुमराह को चुनिंदा टूर्नामेंट में खेलने की सलाह

नई दिल्ली। अपने क्रिकेट करियर के दौरान पीठ की चोटों से जूझने वाले वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप का मानना है कि जसप्रीत बुमराह अब अपने एक्शन में बदलाव नहीं कर सकते और उन्हें चोटों से बचने के लिए चुनिंदा टूर्नामेंट में ही खेलना चाहिए। बुमराह पीठ में दर्द के कारण पिछले साल सितंबर से कोई मैच नहीं खेले हैं और उनका इस साल अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले वनडे विश्व कप में खेलना भी संदिग्ध है। इस 29 वर्षीय तेज गेंदबाज ने पिछले महीने न्यूजीलैंड में सर्जरी कराई थी। बुमराह को अपने अनूठे एक्शन का फायदा भी मिला लेकिन इससे उनकी पीठ पर अधिक जोर पड़ता है जिससे वह अक्सर चोटिल हो जाते हैं। वेस्टइंडीज की तरफ से 43 टेस्ट और 84 वनडे खेलने वाले बिशप का मानना है कि करियर के इस मोड़ पर बुमराह के लिए एक्शन बदलना संभव नहीं होगा और उन्हें व्यस्त कार्यक्रम के बीच कुछ चुनिंदा टूर्नामेंट में ही खेलना चाहिए। बिशप ने पीटीआई से कहा, मुझे नहीं लगता कि तेज गेंदबाजों के कार्यभार प्रबंधन का कोई नुस्खा है क्योंकि हम इन बेहतरीन खिलाड़ियों के दिमाग और शरीर को लेकर फैसला नहीं कर सकते। इस पर फैसला स्वयं खिलाड़ी और उसके करीबी प्रशासकों को करना है लेकिन मैं संचालन संस्थाओं को एक सलाह दे सकता हूं कि आप इन खिलाड़ियों (जैसे बुमराह) को प्रत्एक टूर्नामेंट में नहीं खिला सकते हो। इतनी अधिक क्रिकेट चल रही है और ऐसे में खिलाड़ियों को सर्वाधिक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट का चयन करना शुरू करना होगा। आप चाहते हैं कि बुमराह और जोफ्रा आर्चर जैसे गेंदबाज अपनी गति बनाए रखकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। तभी उनका महत्व भी है लेकिन उनको खिलाने में बेहद सावधानी बरतें। बिशप ने इसके साथ ही कहा कि भले ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हाल में टेस्ट श्रृंखला में अपनी घरेलू धरती पर पराजित किया लेकिन जून में लंदन के ओवल में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में परिस्थिति पूरी तरह से भिन्न होगी। भारत लगातार दूसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में खेलेगा।

नहीं लगता कि रसेल उम्मीद के मुताबिक नहीं खेल पा रहा: फर्ग्युसन

कोलकाता। आंद्रे रसेल इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में अब तक भले ही बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे हों लेकिन तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन का मानना है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के उनके स्टार साथी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अगले मैच में पासा पलट देंगे। केकेआर ने अपने पिछले दो मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और गुजरात टाइटंस के खिलाफ शानदार चीज दर्ज की लेकिन रसेल शून्य और एक रन की पारी ही खेल पाए। फर्ग्युसन ने हालांकि कहा कि जमैका का यह विस्फोटक बल्लेबाज जल्द ही बड़ी पारी खेलेगा। मुझे नहीं लगता कि आंद्रे उम्मीद के मुताबिक रन नहीं बना पा रहा। उसने पहले मैच (पंजाब किंग्स के खिलाफ 35 रन) में अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन इसके बाद दो मैच में जल्दी आउट हुआ मैं कहूंगा कि वह कमतर प्रदर्शन से बहुत दूर है। उन्होंने 2019 में केकेआर के साथ पहले सत्र को याद करते हुए कहा, हम सभी जानते हैं कि आंद्रे क्या कर सकता है, विशेष रूप से यहां वह मेरा पहला सत्र था और आंद्रे का शानदार अनुभव। मैंने किसी व्यक्ति को इस तरह गेंद को हिट करते नहीं देखा। मुझे यकीन है कि वह हमारे लिए कल रात शानदार प्रदर्शन करेगा। गुजरात टाइटंस से ट्रेडिंग के बाद न्यूजीलैंड का यह तेज गेंदबाज केकेआर में लौट आया। चंद्रकांत पंडित के रूप में एक भारतीय कोच के मार्गदर्शन में खेलने पर फर्ग्युसन ने कहा कि वह टीम के लिए अच्छा माहौल तैयार करने के लिए काम कर रहे हैं। शुरुआत से ही चंद्रू के साथ एक शानदार अनुभव रहा है।

भारत बिली चीन किंग कप में चीन से हारा

ताशकंद। भारत को बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के एशियाओसियाना ग्रुप एक के अपने तीसरे मुकाबले मे चीन के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा जिससे टीम तीसरे स्थान पर खिसक गई। मुकाबले के पहले एकल मैच मे भारत की रुतुजा भोसले को चीन की शिन्यु जियांग के खिलाफ सीधे सेट मे 3-6 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। अनुभवी अंकिता रैना भी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नही कर पाई और दूसरे एकल मैच मे युई युआन से 5-7।-6 से हार गई जिससे चीन ने 2-0 की विजई बढ़त बना ली।

हुसैन ने पीजीटीआई प्लेयर्स चैंपियनशिप में बढ़त बनाई

चंडीगढ़। बांग्लादेश के जमाल हुसैन ने पांच अंडर 67 के दूसरे दिन के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ गुरुवार को यहां एक करोड़ रुपए इनामी पीजीटीआई प्लेयर्स चैंपियनशिप मे बढ़त बना ली। ढाका के जमाल का कुल स्कोर सात अंडर 137 है। पहले दौर के बाद संयुक्त रूप से 12वे स्थान पर चल रहे जमाल ने नोएडा के अर्जुन शर्मा (68), कोलकाता के मोहम्मद संजू (71), चंडीगढ़ के हरेंद्र गुप्ता (70) और अमेरिका के वरुण चोपड़ा (71) पर दो शॉट की बढ़त बना रखी है।

भारत की निशानेबाजी विश्व कप के लिए 39 सदस्यीय टीम

नई दिल्ली। भारत ने जर्मनी के सुहल मे एक से छह जून तक होने वाली आईएसएसएफ विश्व कप जूनियर राइफलपिस्टलशॉटगन निशानेबाजी प्रतियोगिता के लिए गुरुवार को 39 सदस्ईय टीम घोषित की। जूनियर विश्व कप के बाद कोरिया मे चांगवोन मे जुलाई मे जूनियर विश्व चैपियनशिप भी होगी।

गुरजोत का परफेक्ट 75 का स्कोर, गनेमत आगे

नई दिल्ली। पंजाब के स्वीट निशानेबाज गुरजोत सिंह खंगूड़ा ने गुरुवार को यहां शॉटगन राष्ट्रीय चयन ट्रायल के पहले दिन परफेक्ट 75 का स्कोर बनाया जबकि उनके राज्य की गनेमत शेखो भी महिला वर्ग मे पहले तीन दौर के बाद बढ़त पर है। पुरुषो के वर्ग मे गुरजोत 26 खिलाड़ियो के बीच शीर्ष पर चल रहे है जबकि गनेमत 20 महिला खिलाड़ियो मे सबसे आगे है।

केकेआर का सामना अब सनराइजर्स से

● विजयी हैट्रिक व रिंकू सिंह पर नजर

रिंकू सिंह की तूफानी पारी के बाद उत्साह से लबरेज कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना जब शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद से होगा तो उसकी निगाहें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में लगातार तीसरी जीत दर्ज करने पर टिकी होंगी।
इस सत्र के अपने पहले मैच में मोहाली में पंजाब किंग्स से हार का सामना करने के बाद केकेआर को दो नए नायक मिले जिन्होंने उसे अगले दोनों मैचों में जीत दिलाई। पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ शार्दुल ठाकुर ने अपने बल्ले से कमाल दिखाया और 29 गेंदों पर 68 रन की तूफानी पारी खेलकर केकेआर को 81 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद रिंकू सिंह ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ अंतिम पांच गेंदों पर छक्के जड़कर अपनी टीम को अप्रत्याशित जीत दिलाई थी। इस तरह से केकेआर की निगाहें जीत की हैट्रिक पूरी करने पर लगी हैं। नियमित कप्तान श्रेयस अय्यर और स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की कमी केकेआर को खल रही है लेकिन अचानक ही वह मजबूत टीम के रूप में उभर कर सामने आई है। केकेआर की दोनों जीत में उसके स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल और कप्तान नितीश राणा की खास योगदान नहीं रहा और अब टीम प्रबंधन यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेगा कि उसे ए जीत संयोग से नहीं मिली थी। रसेल ने पंजाब के खिलाफ पहले मैच में 19 गेंदों पर 35 रन बनाए थे लेकिन अगले दो मैचों में वह शून्य और एक रन ही बना पाए।

केकेआर के खिलाफ मार्करम को अंतिम ओवरों में गेंदबाजों पर भरोसा

कोलकाता। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ऐडन मार्करम ने गुरुवार को कहा कि उनकी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के रिंकू सिंह और शार्दुल ठाकुर के पिछले दो मैचों मे शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन से भयभीत नही है और उन्हे भरोसा है कि उनके गेंदबाज अंतिम ओवरो मे उनकी योजना के हिसाब से गेंदबाजी करेंगे। केकेआर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मे लगातार मैचो मे 200 से ज्यादा रन का स्कोर खड़ा किया जिससे उसने पिछले दो मैचो मे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और गुजरात टाइटन्स को पराजित किया।

ओस के कारण गेंद बदला, अंपायरों के फैसले से हैरान

चेन्नई। राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने हैरानी जताई चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान अंपायरों ने ओस के कारण खुद ही गेंद बदलने का फैसला किया और उन्होंने इस तरह के निर्णय में निरंतरता बनाए रखने की अपील की। मैच के दौरान काफी ओस पड़ रही थी जिसके कारण अंपायरों ने स्वयं ही हस्तक्षेप करके दूसरी पारी के दौरान गेंद बदल दी थी जिससे अश्विन हैरान थे। इस ऑफ स्पिनर ने मैच में 25 रन देकर दो विकेट लिए। राजस्थान में यह मैच तीन रन से जीता। उन्होंने इससे पहले ऐसा कभी नहीं देखा जबकि अंपायरों ने बहुत अधिक ओस गिरने पर गेंद बदली हो। यह हैरानी भरा रहा कि अंपायरों ने ओस के कारण अपनी मर्जी से गेंद बदल दी। ऐसा इससे पहले कभी नहीं हुआ था और मैं हैरान था।

आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए अश्विन पर जुर्माना

राजस्थान रॉयल्स के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन पर यहां चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मैच के दौरान इंडियन प्रीमियर लीग की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए गुरुवार को मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। अश्विन पर मैच के दौरान आईपीएल की आचार संहिता के नियम 2.7 के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया गया था। उनकी टीम ने बुधवार रात यह मैच तीन रन से जीता था। आईपीएल ने बयान में कहा, ईपीएल की आचार संहिता के नियम 2.7 के तहत अश्विन ने लेवल एक के अपराध को स्वीकार किया। आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्यकारी होता है। बयान में अपराध की प्रकृति का उल्लेख नहीं है लेकिन खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों की आचार संहिता का नियम 2.7 सार्वजनिक आलोचना, या किसी मैच से जुड़ी घटना या किसी खिलाड़ी, टीम अधिकारी, मैच अधिकारी से जुड़ी घटना के संबंध में अनुचित टिप्पणी से संबंधित है। मैच के बाद अश्विन ने कहा था कि बुधवार को चेपक में ओस के कारण अंपायरों द्वारा अपनी मर्जी से गेंद को बदलने के फैसले से वह हैरान रह गए थे और इस तरह के फैसले लेते समय निरंतरता होनी चाहिए। एमए चिदंबरम स्टेडियम में सुपरकिंग्स के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान भारी ओस के कारण अंपायरों को हस्तक्षेप करने और गेंद को बदलने को मजबूर होना पड़ा जिससे मैच में 25 रन देकर दो विकेट चटकाने वाले अश्विन हैरान थे। अश्विन ने कहा कि उन्होंने इससे पहले ऐसा कभी नहीं देखा कि अंपायरों ने बहुत अधिक ओस गिरने पर गेंद बदली हो। उन्होंने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह हैरानी भरा रहा कि अंपायरों ने ओस के कारण अपनी मर्जी से गेंद बदल दी। ऐसा इससे पहले कभी नहीं हुआ था और मैं हैरान था। ईमानदारी से कहूं तो इस बार आईपीएल में मैदान पर लिए गए कुछ फैसलों से मैं थोड़ा आश्चर्यचकित हूं। मैन ऑफ द मैच चुने गए अश्विन ने कहा, मेरा कहने का मतलब है कि मैं इसलिए हैरान हूं क्योंकि इसके अच्छे या गलत परिणाम निकल सकते हैं। इसलिए मेरा मानना है कि आपको थोड़ा संतुलन बनाने की जरूरत है।

सैमसन पर 12 लाख रुपए का जुर्माना

चेन्नई। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। आईपीएल मे धीमी ओवर गति फिर से बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है क्योंकि अधिकतर मैच चार घंटे से अधिक समय तक खिंच रहे है। आईपीएल ने बयान मे कहा, यह टीम का आईपीएल आचार संहिता के तहत धीमी ओवर गति से जुड़ा पहला अपराध है, इसलिए कप्तान संजू सैमसन पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। राजस्थान मे आखिरी गेद तक खिंचे इस मैच मे चेन्नई सुपर किंग्स को तीन रन से हराया था।

घुटने की चोट से जूझ रहे हैं धोनी, मगाला दो सप्ताह के लिए बाहर : फ्लेमिंग

चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी घुटने की चोट से जूझ रहे हैं जिससे उन्हें कुछ मूवमेंट में परेशानी हो रही है। चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रही चेन्नई की टीम के लिए एक और बुरी खबर है क्योंकि उसके दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज सिसांडा मगाला चोटिल होने के कारण दो सप्ताह के लिए बाहर हो गए हैं। फ्लेमिंग ने बुधवार को चेन्नई की राजस्थान रॉयल्स के हाथों तीन रन से करीबी हार के बाद संवाददाताओं से कहा, वह (धोनी) घुटने की चोट से जूझ रहे हैं जो कि आप उनके कुछ मूवमेंट में देख सकते हो। इससे उन्हें थोड़ा परेशानी हो रही है। उनकी फिटनेस पेशेवर खिलाड़ी की तरह रही है। वह टूर्नामेंट शुरू होने से कई महीने पहले तैयारियां शुरू कर देते हैं। उन्होंने रांची में नेट पर अभ्यास किया था लेकिन सत्र से पूर्व की तैयारी उनकी चेन्नई पहुंचने पर एक महीने पहले ही शुरू हुई थी। संदीप शर्मा ने अंतिम ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर केवल तीन रन देकर राजस्थान को जीत दिलाई, जबकि उस समय धोनी और रविंद्र जडेजा क्रीज पर थे। धोनी का यह कप्तान के रूप में 200वां मैच था। फ्लेमिंग को हालांकि विश्वास है कि पूर्व भारतीय कप्तान अपनी चोट को संभाल लेगा और टीम का नेतृत्व करना जारी रखेगा। वह मैच फॉर्म में वापस आने के लिए अपने तरीके से काम करते हैं और आप देख सकते हैं कि वह काफी अच्छा खेल रहा है। इस बीच मगाला बुधवार को केवल दो ओवर यह कर पाए और उन्हें चोटिल होने के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। हम फिर से एक और खिलाड़ी की सेवाएं नहीं ले पाएंगे। हम पहले ही चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रहे हैं। इसलिए मैं चाहता हूं इस संख्या में बढ़ोतरी रुके। चेन्नई के चोटिल खिलाड़ियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स एड़ी के चोट के कारण मैच में नहीं खेल पाए जबकि भारतीय तेज गेंदबाज दीपक चाहर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण आईपीएल 2023 से लगभग बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड में कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए गए श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना अब ठीक हो गए हैं और चयन के लिए उपलब्ध हैं।

देश परदेश

सुरक्षा चुनौतियों से निपट सकता है भारत : जयशंकर

● पाकिस्तान और चीन को देंगे मुहतोड़ जवाब

विदेश मंत्रीएस जयशंकर ने कहा है कि दशकों से भारत के खिलाफ सीमा पार से आतंकवाद को अंजाम दे रही ताकतें अब जान गई हैं कि यह एक नया भारत है जो उन्हें जवाब देगा। साथ ही, उन्होंने जोर देते हुए कहा कि देश पाकिस्तान और चीन द्वारा इसकी (भारत की) राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पैदा की गई चुनौतियों से आज निपट सकता है। युगांडा में बुधवार को भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए जयशंकर ने देश के एक नए भारत में तब्दील होने का उल्लेख किया। अपनी सीमाओं पर भारत द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों के बारे में जयशंकर ने कहा, आज, लोग एक नया भारत देख रहे हैं जो सामना करने को इच्छुक है और चाहे यह उरी हो या बालाकोट, भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियों से निपटेगा।
उन्होंने 2016 में पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के आतंकवादियों द्वारा जम्मू कश्मीर के उरी में थलसेना के ब्रिगेड मुख्यालय पर किए गए हमले, और पाकिस्तान के बालाकोट में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों द्वारा किए गए हवाई हमले का हवाला देते हुए यह कहा। विदेश मंत्री ने कहा, भारत के खिलाफ दशकों से सीमा पार से आतंकवाद में संलिप्त ताकतें, जिन्हें भारत ने सहन किया है, अब जान चुकी हैं कि यह एक नया भारत है और यह भारत उन्हें जवाब देगा। उन्होंने चीन से लगी सीमा पर मौजूद चुनौतियों के बारे में भी बात की। जयशंकर ने कहा, पिछले तीन वर्षों से, समझौतों का उल्लंघन करते हुए, चीनियों ने बड़ी संख्या में सैनिक जमा किए हैं। उन्होंने कहा कि आज भारतीय सैनिक बहुत ही विषम परिस्थितियों वाले अत्यधिक ऊंचे स्थानों पर तैनात हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति अतीत से बिल्कुल अलग है क्योंकि भारतीय सैनिकों को अब पूरा समर्थन प्राप्त है और उनके पास सही उपकरण तथा बुनियादी ढांचा है। विदेश मंत्री ने स्वीकार किया कि चीन से लगी सीमा पर बुनियादी ढांचे के विकास के लिए और अधिक कार्य करने की जरूरत है क्योंकि अतीत में इसकी अनदेखी की गई है। यह एक नया भारत है जो अपने हितों के लिए खड़ा होगा और विश्व उसे मान्यता देगा। जयशंकर ने कहा कि भारत पर अन्य देशों द्वारा यह दबाव नहीं बनाया जा सकता कि हमें कहां से अपना तेल खरीदना है और कहां से तेल नहीं खरीदना है। यह एक ऐसा भारत है जो अपने नागरिकों और उपभोक्ताओं के हित में कार्य करेगा। यूक्रेन पर हमले को लेकर मास्को पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंध लगाने के बाद रियायती दर पर उपलब्ध रूसी तेल भारत खरीद रहा है।

भारतीय-अमेरिकी संबंधों को मजबूत करने के लिए अमेरिकी संसद भवन में 26 अप्रैल को होगी बैठक

वाशिंगटन। कांग्रेशनल कॉकस ऑन इंडिया एंड इंडियन अमेरिकन्स ने प्रमुख हितधारको को एक साथ लाकर अमेरिका-भारत साझेदारी को मजबूत करने के लिए एक बैठक करने की घोषणा की है। यूएस कैपिटल (अमेरिकी संसद भवन) मे 26 अप्रैल को आयोजित होने वाली इस बैठक को द्विदलीय समर्थन प्राप्त है। भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने पीटीआई-भाषा से कहा, मै बहुत उत्साहित हूं कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय के प्रमुख सदस्य, कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्य, प्रशासन के महत्वपूर्ण नेता तथा विदेश नीति के विशेषज्ञ 26 अप्रैल को बैठक करेंगे ताकि अमेरिका-भारत साझेदारी को मजबूत करने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार की जा सके। खन्ना कांग्रेशनल कॉकस ऑन इंडिया एंड इंडियन अमेरिकन्स के सह-अध्यक्ष है। खन्ना ने अमेरिकी कांग्रेस मे भारत-अमेरिका की अपनी तरह की पहली बैठक आयोजित करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ट्रंप दूसरी बार देंगे गवाही

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी कंपनी के कारोबार से जुड़ी गतिविधियों को लेकर एक कानूनी लड़ाई में दूसरी बार गवाही देने के लिए बृहस्पतिवार को न्यूयॉर्क की अटार्नी जनरल के कार्यालय जा सकते हैं। रिपब्लिकन नेता का अटार्नी जनरल लेतीतिया जेम्स के वकीलों से मिलने का कार्यक्रम है। जेम्स ने पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ पिछले साल वाद दायर किया था। अटार्नी जनरल के वाद में दावा किया गया है कि ट्रंप और उनके परिवार ने अपनी निवल संपत्ति (नेटवर्थ) और होटल एवं गोल्फ कोर्स जैसी संपत्ति के मूल्य के बारे में झूठी सूचना देकर बैंकों को गुमराह किया। यह वाद मैनहट्टन जिला अटार्नी द्वारा ट्रंप के खिलाफ दायर आपराधिक आरोपों से अलग है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार सुबह सोशल मीडिया पर किए गए अपने एक पोस्ट में वाद को चुनाव को प्रभावित करने से जुड़े अन्य मामलों की तरह हास्यास्पद बताया। इससे पहले के एक पोस्ट में पूर्व राष्ट्रपति ने कहा था, वाद के बारे में एक अच्छी चीज यह है कि मैं यह प्रदर्शित कर सकूंगा कि मैंने कितनी बड़ी, लाभकारी और मूल्यवान कंपनी बनाई है। ट्रंप और उनके वकीलों ने कहा है कि पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ डेमोक्रेट पार्टी की ओर से दायर वाद राजनीति से प्रेरित है और कानून पर खरा नहीं उतरता है। ट्रंप और उनकी कंपनी ने कुछ भी गलत करने से इनकार किया है।

पेंटागन लीक मामले में कुछ खास चिंता की बात नहीं : बाइडन

डबलिन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह इस बात से चिंतित थे कि संवेदनशील सरकारी दस्तावेज लीक हो गए हैं हालांकि, ऐसा कुछ भी समसामयिक नहीं है जो बहुत महत्वपूर्ण हो। यह पहली बार था जब बाइडन ने सार्वजनिक रूप से अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन के उन दस्तावेजों के लीक होने के बारे में टिप्पणी की है जिन्हें कई सोशल मीडिया साइटों पर पोस्ट किया गया था। ए दस्तावेज यूक्रेन को अमेरिकी और नाटो सहायता तथा अमेरिकी सहयोगियों के बारे में अमेरिकी खुफिया आकलन का विवरण देते हैं जो उन राष्ट्रों के साथ संबंधों को तनावपूर्ण बना सकते हैं। याय विभाग ने इस संबंध में जांच शुरू की है। बाइडन फिलहाल डबलिन में आयरलैंड के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं।

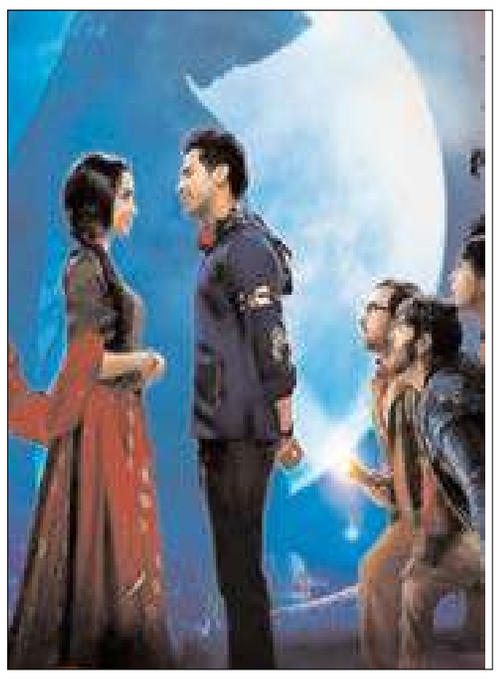

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की हॉरर फिल्म स्त्री 2 की रिलीज डेट फाइनल

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर अभिनीत स्त्री 2 को आखिरकार रिलीज की तारीख मिल गई है। निर्माता ने मुंबई में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में स्त्री 2 की रिलीज की तारीख की घोषणा की। फिल्म के मुख्य कलाकार राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी की मौजूदगी में विजान ने कहा कि फिल्म 2024 में रिलीज होगी। कलाकारों ने स्त्री के साथ अपने आखिरी रन-इन को याद किया और प्रार्थना की कि स्त्री तुम फिर मत आना। हालांकि श्रद्धा ने लोगों को याद दिलाया कि स्त्री एक बार फिर राजकुमार राव के किरदार विक्की को डराने के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम ने आखिरकार खुलासा किया कि स्त्री 2, 31 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में उतरेगी। इस कार्यक्रम में मौजूद वरुण धवन ने अपनी फिल्म भेदिया 2 की घोषणा की और पुष्टि की कि वह अपने वेयरवोल्फ अवतार में लौट आएंगे। फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी इस तथ्य के अलावा सामने नहीं आई है कि यह 2025 में रिलीज होने वाली है। राजकुमार राव की स्त्री 2018 में एक व्यावसायिक सफलता और समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म थी और साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी। राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की ताज़ा जोड़ी ने प्रशंसकों और दर्शकों के बीच खूब प्यार बटोरी।

शाहिद कपूर की फिल्म 'ब्लडी डैडी' का टीजर आउट

शाहिद कपूर ने बीते दिन अपनी अपकमिंग फिल्म ब्लडी डैडी की घोषणा की। साथ ही इस एक्शन फिल्म से अपना फर्स्ट लुक पोस्टर जारी कर फैंस के बज को हाई कर दिया। वहीं, अब एक्टर ने दर्शकों को बड़ा तोहफा देते हुए इसका टीजर जारी कर दिया है, जिसमें शाहिद अपने नेवर सीन बिफोर अंदाज से लोगों को दंग करते नजर आ रहे हैं। शाहिद कपूर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर ब्लडी डैडी का टीजर जारी किया है। इसमें एक्टर खूनी खेल खेलते देखे जा रहे हैं। वहीं, पुलिस के साथ मुजरिमों की आंख-मिचौली देखते ही बन रही है। टीजर में शाहिद माफिया की भूमिका में नजर आ रहे हैं। इसमें कुछ सेकेंड तक संजय कपूर की भी झलक देखने को मिलती है। जिसमें संजय कहते हैं, क्या बकवास हो रहा है? टीजर को देखकर मालूम होता है कि शाहिद कपूर की ब्लडी डैडी में सभी सिनेमाई गुण हैं, जिसे हम वर्तमान समय में एक्शन फिल्मों में देखने की उम्मीद करते हैं। इसमें बंदूक, विस्फोट, हिंसा और ड्रग्स ये सबकुछ देखने को मिल रहा है। वहीं, शाहिद का किरदार खून से रंगा नजर आ रहा है। हालांकि, इसके पीछे की पूरी कहानी क्या है यह फिल्म रिलीज पर ही पता चलेगी। टीजर रिलीज के साथ ही मूवी की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी गई है। ब्लडी डैडी एक डायरेक्ट-टू-स्ट्रीमिंग फिल्म है, जिसका प्रीमियर 9 जून को जियो सिनेमा पर होगा। ब्लडी डैडी को साल 2011 में आई फ्रेंच फिल्म निट ब्लैंच (स्लीपलेस नाइट) का आधिकारिक हिंदी रीमेक है। इसके निर्देशक टाइगर जिंदा है, सुल्तान और भारत जैसी फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले अली अब्बास जफर हैं। बताते चलें कि ब्लडी डैडी में कई एक्शन सीन हैं जिसे अली ने अपनी पिछली फिल्म से अलग तरीके से फिल्माया है। फिल्म में लोगों को हथियारों से ज्यादा हैंड टू हैंड फाइट देखने को मिलेगी।

यामी गौतम को मिली थी प्लास्टिक सर्जरी करवाने की सलाह

यामी गौतम एक बेहतरीन एक्ट्रेस हैं। वह इन दिनों अपनी डकैती वाली फिल्म चोर निकल के भागा को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म लोगों को काफी पसंद आई है। यामी ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत आयुष्मान खुराना के साथ फिल्म विक्की डोनर से की थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। अभिनेत्री को बॉलीवुड इंडस्ट्री में एक दशक से ज्यादा का समय बीत चुका है। यामी ने हाल ही में खुलासा किया है कि जब एक एक्ट्रेस इंडस्ट्री में नई होती है और बिना किसी गॉडफादर के होती है, तो हर कोई एक्ट्रेस की मदद करने के लिए एक मार्गदर्शक बनने की कोशिश करता है। एक्ट्रेस ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अपने करियर के शुरुआती दिनों को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि - कुछ लोग आपको अच्छी सलाह देकर आपकी मदद करने में वास्तव में रुचि रखते हैं, जबकि कुछ चेहरे की सर्जरी कराने के समान अजीब हो सकते हैं। यामी ने कहा कि उन्हें नाक का काम करवाने की सलाह दी गई थी, क्योंकि उनकी नाक पकोड़े के आकार की है , लेकिन उन्होंने इसे करवाने से साफ इनकार कर दिया था। उन्होंने आगे कहा कि वह एक एक्ट्रेस को निश्चित रूप से खूबसूरती के पैमाने में फिट करने और सर्जरी का सुझाव देने के लोगों के जुनून से हैरान हैं। लोग सिर्फ यह देखते हैं कि वह एक निश्चित तरीके से दिख सकें और फिट हो सके। यामी के अनुसार युवा अभिनेत्रियों को ऐसा करने की सलाह दी जाती है, जिससे उन्हें अधिक काम के अवसर मिलेंगे। यामी निराश महसूस करती हैं कि युवा लड़कियां इस सलाह को गंभीरता से लेती हैं। उन्हें इस बात का मलाल भी है कि कोई भी इस बारे में बात नहीं करता है कि अगर चीजें गलत होती हैं तो क्या होगा। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि अंत में यह व्यक्ति की अपनी पसंद है कि वह इस चाकू के नीचे जाना चाहते हैं या नहीं और इसके लिए किसी को जज नहीं किया जाना चाहिए।

> यामी ने कहा कि उन्हें नाक का काम करवाने की सलाह दी गई थी, क्योंकि उनकी नाक पकोड़े के आकार की है , लेकिन उन्होंने इसे करवाने से साफ इनकार कर दिया था। उन्होंने आगे कहा कि वह एक एक्ट्रेस को निश्चित रूप से खूबसूरती के पैमाने में फिट करने और सर्जरी का सुझाव देने के लोगों के जुनून से हैरान हैं।

मशहूर अभिनेत्री उत्तरा बावकर का निधन

मशहूर अभिनेत्री और रंगमंच कलाकार उत्तरा बावकर (79) का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। पिछले एक साल से बीमार चल रहीं बावकर ने पुणे के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया कि बुधवार सुबह उनका अंतिम संस्कार किया गया। उन्होंने दिल्ली के राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से अभिनय की शिक्षा ली थी। बावकर ने 'मुख्यमंत्री' में पद्मावती, 'मेना गुर्जरी' में मेना, शेक्सपियर के 'ओथेलो' में डेसडेमोना और नाटककार गिरीश कर्नाड के नाटक 'तुगलक' में मां की भूमिका निभाई थी। वह गोविंद निहलानी की फिल्म तमस में अपनी भूमिका के बाद सुर्खियों में आई थीं।

राधिका आप्टे को मिली थी ब्रेस्ट साइज बढ़ाने की सलाह

राधिका आप्टे एक एक्ट्रेस होने के साथ ही एक बेहतरीन वक्ता भी हैं। एक्ट्रेस अक्सर अपने विचारों को बेबाकी के साथ सामने रखती नजर आती हैं, और इसे लेकर वह सुर्खियों का हिस्सा बन जाती हैं। राधिका को हमेशा शोबिज की अंदरूनी दुनिया को लेकर चौंकाने वाला खुलासा करते देखा जाता रहा है। इसी कड़ी में एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री में की जाने वाली बॉडी शेमिंग का कच्चा-चिट्ठा खोल दिया है। राधिका आप्टे ने साफ किया है कि करियर के शुरुआती दौर में वह भी बॉडी शेमिंग का शिकार हुई थीं। एक्ट्रेस को ब्रेस्ट साइज बढ़ाने और नाक ठीक कराने की सलाह दी गई थी। इतना ही नहीं वजन ज्यादा होने की वजह से भी राधिका को शुरुआत में एक फिल्म से हाथ धोना पड़ा था। राधिका ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि शुरुआती दौर में उनसे कहा गया था कि अगर वह सफल होना चाहती हैं तो उन्हें अपने अपीयरेंस बदलने होंगे। राधिका आप्टे ने कहा, मैंने एक फिल्म खो दी, क्योंकि मेरा वजन तीन या चार किलो ज्यादा था। बेशक जब आप नए होते हैं तो वे कहते हैं कि आप अपनी नाक क्यों नहीं ठीक करा लेतीं। आप ब्रेस्ट क्यों नहीं बड़े कर लेतीं। ये शुरुआत में हुआ था। मिडिल में भी कुछ लोग आपकी बॉडी पर ऐसी टिप्पणी करते हैं, जैसे उनका अधिकार हो। अब जागरुकता की वजह से पिछले कुछ सालों में हम इस बारे में बहुत खुलकर बात कर सकते हैं। हम कह सकते हैं कि अगर आप फिर से मुझसे ऐसा कहते हैं तो मैं तय करूंगी कि आप कम से कम इस प्रोजेक्ट से बाहर हो जाएं।

अजय देवगन से पहले एक एक्टर को डेट कर रही थीं काजोल

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने 17 साल की उम्र में 1992 में फिल्म बेखुदी से अपने अभिनय की शुरुआत की। हालांकि, शाहरुख खान के साथ उनकी 1993 की फिल्म बाजीगर थी, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। काजोल ने अभिनेता अजय देवगन के साथ उस समय शादी की थी, जब वह अपने करियर के चरम पर थीं। इस जोड़ी की शादी को अब 24 साल से ज्यादा हो चुके हैं और यह रिश्ता पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो रहा है। ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ एक स्पष्ट बातचीत में, काजोल ने उस समय को याद किया जब वह पहली बार अजय देवगन से एक फिल्म के सेट पर मिली थीं और साझा किया था कि वे उस समय किसी और तो डेट कर रही थी। हालाँकि, जैसा कि नियति की योजना अलग थी, इस लिए हम दोनों का ब्रेकअप हो गया। मैं अजय से मिली। धीरे-धीरे इनके बीच प्यार परवान चढ़ा और इनकी लव स्टोरी शुरू हो गई। अपनी पहली डेट को लेकर उन्होंने यह खुलासा नहीं किया कि वह किस एक्टर को डेट कर रही थी। उन्होंने कहा कि मैं किसी के साथ बाहर जा रही था, मुझे लगता है कि वह उस समय किसी के साथ बाहर जा रहा था। और हमने साथ में एक फिल्म की, और वहीं से हम दोस्त बन गए। हमने बस बात करना शुरू किया, दोस्त बने, फिर आखिरकार हम दोनों का ब्रेकअप हो गया। फिर हम दोस्त से कुछ ज्यादा कुछ नहीं रहे। अभिनेता अजय देवगन के साथ अपनी सफल शादी के बारे में बात करते हुए, काजोल ने साझा किया कि इसे सफल बनाने के लिए हर एक को अपनी शादी पर काम करना होगा। बाजीगर अभिनेत्री ने कहा कि लोगों को समय के साथ बढ़ने के साथ खुद को बदलने और अपने दृष्टिकोण को बदलने की जरूरत है। यह साझा करते हुए कि वह और अजय वर्षों में कैसे विकसित हुए हैं, काजोल ने कहा, यह हर दिन इस पर काम करने की इच्छा के साथ है और मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो कोई भी विवाहित जोड़ा आपको बताएगा कि यह हम करते है, यह बहुत सारे काम का नरक है, यह आसान नहीं है। आपको खुद को नए सिरे से खोजना होगा और आपको हर दिन इसे अलग तरह से देखना होगा। कुछ नई चीजें हैं जो आपको एक दूसरे के बारे में स्वीकार करनी होती हैं और सीखनी होती हैं। लोग बढ़ते हैं और लोग बदलते हैं इसलिए मैं 21-22 की उम्र से बहुत अलग हूं। वह 30 साल की उम्र से बहुत अलग है। और इसलिए, हम अभी भी एक-दूसरे को थोड़ा दिलचस्प पाते हैं, मुझे लगता है कि यह सबसे बड़ी बात है जो मैं अभी हमारे बारे में कह सकती हूं।

भारतीय ज्ञान प्रणाली में अध्ययन

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

एनईपी 2020 शिक्षा के सभी स्तरों पर पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) को शामिल करने की सिफारिश करता है। नीति की सफलता प्रेरित शिक्षकों के कंधों पर बहुत अधिक निर्भर करती है। देश भर के उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) में अधिकांश संकाय, हालांकि उनके संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञ, भारतीय ज्ञान प्रणाली के लिए अतिरिक्त परिचित प्रयासों की आवश्यकता हो सकती है। एचईआई में शिक्षक प्रशिक्षण/अभिविन्यास आम तौर पर एचआरडीसी और पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स ट्रेनिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) जैसी विभिन्न एजेंसियों द्वारा मालवीय मिशन के रूप में नामित किया जाता है। संकाय को उनकी निरंतर पेशेवर उन्नति के लिए एक अनिवार्य प्रवेश कार्यक्रम और आवधिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में भाग लेने की आवश्यकता होती है।

आईकेएस का उद्देश्य माननीय प्रधान मंत्री द्वारा अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में "पंच प्राण" संकल्पों के दूसरे और तीसरे पहलुओं यानी "दासता के सभी निशान मिटाएं" और "भारत की विरासत और विरासत पर गर्व करें" में योगदान देना है। इंडक्शन प्रोग्राम और रिफ्रेशर कोर्स के दौरान शिक्षक प्रशिक्षण के लिए इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य आईकेएस के बारे में फैकल्टी को परिचित और उत्साहित करने के लिए एक रोडमैप प्रदान करना है और इसे अपनी विशिष्ट कक्षा की शिक्षाओं में शामिल करने के लिए रणनीतियों की पहचान करना है।

एनईपी के अनुसार कार्यक्रम के अध्ययन में क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए एक मॉडल पाठ्यक्रम भी प्रस्तावित है। संस्थान धीरे-धीरे IKS आधारित सेमिनारों, कार्यशालाओं, अभ्यासों और सामग्री विकास के माध्यम से पाठ्यक्रम सामग्री में संवर्धन शुरू कर रहे हैं। प्रलेखन, साइट अध्ययन, बस्तियों का दौरा और स्थानीय कला, संस्कृति और हस्तशिल्प पर समझ विकसित करने से समुदायों की आजीविका में अंतर्दृष्टि मिलती है। प्राचीन भारत में खोजे गए खगोल विज्ञान और भूवैज्ञानिक विशेषताओं के विज्ञान को समझने के लिए प्राचीन ग्रंथों के अध्ययन, छंदों के अनुवाद, विभिन्न स्रोतों से पुस्तकों के संदर्भों का पता लगाया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में खुला प्रथम असली हवाई जहाज रूपी रेस्टोरेंट, नाम है हवा हवाई

अब जमीन पर स्थापित वास्तविक हवाई जहाज में बैठ कर लीजिये भोजन का स्वाद

सीताराम मेवाती

जिन लोगों को हवाई जहाज की यात्रा करने का मौका नहीं मिल पाया हो उनके लिए है एक खुशखबरी. उत्तर प्रदेश के दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे स्थित डिडवाली रेस्ट एरिया में वास्तविक हवाई जहाज को एक रेस्टोरेंट के रूप में परिवर्तित किया गया है. इस हवाई जहाज में बैठ कर हर कोई लज़ीज़ व्यंजनों का लुत्फ उठा सकते हैं. इस हवाई जहाज रूपी रेस्टोरेंट का नाम हवा हवाई रखा गया है.

जनता को कुछ नया प्रस्तुत करने हेतु जो मोदीनगर के प्रसिद्ध जैन शिकंजी वालों ने एयर इंडिया का एक जहाज जो कबाड़ में नीलाम हो रहा था उसे खरीद कर एक नया रूप दिया है. यह जहाज पूर्व में एयर इंडिया की एयरबस ३२० सीरीज का जहाज था और लाखों मिल की हवाई उड़ान की कर चूका था. इस जहाज की मियाद ख़तम होने पर इसे नीलामी में रखा गया था जिसे ७० लाख रुपये में खरीद कर कई हिस्सों में करके, बड़े बड़े ट्रकों पर लाद कर यहाँ लाया गया. इसके अलावा लगभग ५० लाख का खर्च करने के पश्चात दो साल की कड़ी मशक्कत के बाद इसका रेस्तराँ के रूप में काया पलट किया गया है.

अब आपको अवसर है की आप अपने परिवार के साथ इस हवाई जहाज के अंदर बैठकर बिना फ्लाइट का टिकट लिए लंच-डिनर करने का आनंद ले सकते हैं और वास्तविक जहाज में बैठने की अनुभूति महसूस कर सकते हैं. यहां आपको हवाई जहाज जैसी लग्जरी फैसिलिटी मिलेगी. इस रेस्टोरेंट में प्रवेश करने हेतु आने के लिए आपको कम से कम 200 रुपए प्रति व्यक्ति का कवर चार्ज देना होगा जिसे खाने के साथ समाविष्ट कर दिया जायेगा. इस रेस्टोरेंट में कवर चार्ज देने के पश्चात आपको बोर्डिंग पास के रूप में प्रवेश कार्ड दिया जाएगा जो आप अपने पास रख सकते है.

हवा हवाई रेस्टोरेंट दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे स्थित डिडवाली रेस्ट एरिया पर स्थापित किया गया है और यह रेस्ट एरिया करीब 5 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है. रेस्टोरेंट में अभी एक साथ 80 लोगों के बैठने की क्षमता है। आगे इसे बढ़ाकर सीटिंग प्लान 120 तक किया जा सकता है। एयरबस के दोनों विंग्स पर भी 10-10 लोगों के बैठने की व्यवस्था की जा रही है। यानी लोग हवाई जहाज के पंख पर बैठकर भी खाने का लुत्फ ले सकेंगे. यहाँ पर आने वाले लोगों को सिर्फ भोजन ही नहीं बल्कि और भी लुभावने आकर्षण स्थापित किये गए हैं जिनमे रेस्ट एरिया में गेमिंग जोन, कैफे, 13 रूम्स, 12 लोगों के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म जैसी सुविधाएं भी देने की तैयारी की जा रही है. आगे चल कर आप अपने परिवार या मित्रों के साथ काफी लम्बा समय व्यतीत कर सकते हैं. ये रेस्टोरेंट उन लोगों के लिए खास है, जो आज तक हवाई जहाज में नहीं बैठे और यह लोगों की पसंद भी बनता जा रहा है।

दिल्ली निवासी संदीप जैन ने मुंबई तरंग को बताया की अब हर किसी व्यक्ति को अलग अलग प्रकार के रेस्टोरेंट में खाने का शौक बढ़ता जा रहा है. अब किसी भी विशेष समारोह जैसे जन्मदिन की पार्टी, एनिवर्सरी की पार्टी इत्यादि में लोग कुछ भिन्न प्रकार के रेस्टोरेंट में जाना पसंद करते हैं. हवा हवाई रेस्टोरेंट इस सूत्र में एक नया नाम है और इसमें दिल्ली के ही नहीं बल्कि नोएडा, मेरठ, बुलंदशहर के अलावा आस पास के लोग भी जाना पसंद करेंगे और शान से कहेंगे कि हमने आज हवाई जहाज में बैठ कर भोजन किया.

म्यूजिक वीडियो 'स्काई में काइट है' की शूटिंग इगतपुरी में होगी

ए के एच फिल्म्स के बैनर तले बनाई जा रही म्यूजिक वीडियो 'स्काई में काइट है' की शूटिंग श्वास आइलैंड रिसोर्ट इगतपुरी (महाराष्ट्र) के निकटवर्ती इलाकों में की जाएगी। तन्मय गोपालकृष्ण सेनगुप्ता द्वारा निर्देशित इस म्यूजिक वीडियो में बिग बॉस फेम कृति वर्मा के साथ अभिनेता अक्षय हरियाणी अपने अभिनय का जलवा बिखेरते नज़र आएंगे। इस म्यूजिक वीडियो के लिए गीतकार अंकिता खत्री के गीत को संगीतकारि बप्लब् दत्ता के द्वारा सिंगर अनुपमा चक्रवर्ती और जोजो नाथनिएल के स्वर में पिछले दिनों मुम्बई स्थित ट्रिनिटी साउंड्स स्टूडियो में साउंड इंजीनियर शत्रुघन मंडल के सुपरविजन में रिकॉर्ड किया जा चुका है। इस म्यूजिक वीडियो के डीओपी थंबन कुंहिरामन, कोरियोग्राफर जगन्नाथ दास, कार्यकारी निर्माता पुनीत खरे और सह निर्माता मुकेश गुप्ता हैं। म्यूजिक वीडियो 'स्काई में काइट है' के प्रचार प्रसार व प्रमोशन के कार्यभार मयूरी मीडिया वर्क्स को सौंपा गया है।प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

निर्देशक ओम राउते और निमार्ता भूषण कुमार ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की

रामायण महाकाव्य पर आधारित फिल्म 'आदिपुरुष' के निर्माता भूषण कुमार औरि नर्देशक ओम राउत ने हाल ही में उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।

ओम राउत ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक दिल को छू लेने वाली तस्वीर साझा की, जहाँ पर वे उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी को शिवाजी और जीजा माता की मूर्ति भेंट करते हुए नज़र आ रहे हैं।

साथ ही अपनी इस ख़ुशी को ज़ाहिर करते हुए उन्होंने लिखा है देश संस्कारों से बनता है। राज माता जीजाऊ ने बाल्यकाल में बाल शिवाजी राजे को जो संस्कार दिये उसी के परिणाम स्वरूप वे हिंदवी स्वराज के ध्वजावाहक छत्रपति शिवाजी महाराज बनकर उभरे, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी को छत्रपति शिवाजी महाराज और राज माता जीजाऊ की मूर्ति उन्हें भेंट स्वरूप देकर मुझे अतुल्य आनन्द प्राप्त हुआ है।इस तस्वीर ने सिनेदर्शकों बीच ओम राउत की आगामी भव्य फिल्म 'आदिपुरुष' के रिलीज की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

यह फिल्म 16 जून 2023 को स्क्रीन पर हिट होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। टी-सीरीज़ केभूषण कुमार और कृष्ण कुमार, ओम राउत, प्रसाद सुतार, और रेट्रोफाइल्स के राजेश नायर द्वारा निर्मिति फल्म 'आदिपुरुष' की कहानी मुख्य रूप से प्रभु श्री राम के इर्द-गिर्द घूमती है और बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाती है।

प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

ताज के लन्दन होटल ने लॉन्च किया जायकेदार नया मेनू, किया जा रहा है बेहद पसंद

लन्दन आयें तो शेफ सुजोय गुप्ता द्वारा सर्जित लजीज व्यंजनों का स्वाद अवश्य लें

सीताराम मेवाती

लन्दन में ताज होटल समूह के अपने प्रतिष्ठित होटल ताज बकिंघम व सेंट जेम्स कोर्ट के प्रसिद्ध रेस्टोरेंट TH@51 में नए मेनू को लॉच कर लन्दन निवासियों और पर्यटकों को एक नई सौगात दी है. TH@51 रेस्टोरेंट अपने लज़ीज़ व्यंजनों के लिए विश्व प्रसिद्ध है. यहाँ के नए मेनू को यहाँ के एग्जीक्यूटिव हेड शेफ सुजोय गुप्ता ने अपनी टीम के साथ मिल कर तैयार किया है जिसमे पुराने मेनू की मशहूर और सदाबहार डिशों को बरक़रार रखा है. शेफ सुजोय गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया की TH@51 रेस्टोरेंट फरवरी 2022 में को खोला गया था और संचालन के पहले वर्ष में ही यह काफी लोकप्रिय और बहुत सफल हुआ. इसकी लोकप्रियता को देखते हुए होटल के प्रबंधन ने इसकी प्रथम वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में कुछ नयी डिशें जोड़ कर नया मेनू बनाया और लॉच किया. यह मेनू विभिन्न व्यंजनों के स्वादों का एक मिश्रण जो उनके मतभेदों में पहचानने योग्य और वास्तव में अद्वितीय है।

शेफ गुप्ता ने बताया की नया मेनू डिजाइन करना वास्तव में एक कठिन काम है जिसमे पूरी टीम के साथ मिल कर बनाया जाता है. नया मेनू बनाने के पूर्व व्यापक अनुसंधान एवं विकास किया जाता है.

इसके पश्चात नए मेनू में जोड़े जाने वाले व्यंजनों को शॉर्टलिस्ट किया जाता है और काफी मन्थन के बाद फाइनल किया जाता है. हमारा नया मेनू वास्तव में अद्वितीय, विभिन्न व्यंजनों के स्वादों का एक संयोजन है.

इस नए मेनू में मुंह में पानी लाने वाले नए 'चाट स्केच' आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं; दिलकश तले हुए आटे की विशेषता वाले व्यंजनों का चयन जीवंत और पेचीदा टॉपिंग के साथ किया जाता है, जो मूल रूप से भारत के हैं। मिल बाँट कर साझा करने या स्टार्टर के रूप में आदर्श, पुदीना और इमली की चटनी, प्याज, टमाटर सालसा और कुरकुरी सेव के साथ सिग्नेचर बुर्राटा और काले चाट, दाल अंकुरित एवोकाडो और अनार चाट, समोसा चाट और आलू टिक्की चाट जैसे व्यंजनों के साथ दिखाई देंगे। अन्य नयी डिशों जैसे जर्क स्पाईड लैम्ब कैनेलोनी विद एप्पल प्यूरी एंड चेरी टोमैटो कॉन्फिट के साथ-साथ बेक्ड बैंगन, बटरनट स्क्वैश एडमैम संबल और परमेसन जैसी डिशें जमेका, इटली और श्री लंका जैसे देशों से उद्धृत हैं.

शेफ गुप्ता ने बताया कि हमारे कुछ व्यंजन वैश्विक यात्रियों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं और सदाबहार हैं इसीलिए हमने नए मेनू में बरक़रार रखा है. हमारी सिग्नेचर डिश जैसे पनीर वेलिंगटन बेक्ड पफ पेस्ट्री, मसालेदार टिक्का मसाला, बेबी पालक, मस्करपोन मखनी और मिंट और इमली की चटनी के साथ सिग्नेचर बुर्राटा और काले चाट, प्याज, टमाटर सालसा और क्रिस्पी सेव को हमेशा से पसंद किया जाता रहा है. नए मेनू में स्वादिष्ट डिशों की श्रृंखला इसे और अधिक सजाती है, जिसमें ग्रीष्मकालीन सलाद, रोबाटा ग्रिल विकल्प और बिटवीन द ब्रेड यानी 'ब्रेड के बीच' इत्यादि के विकल्प शामिल हैं। इसके अलावा, मेनू में ताजे स्वाद के अनेकों चयन उपलब्ध है.

ज्ञात हो कि ताज समूह के होटल अपनी संस्कृति, बोलचाल और इतिहास के लिए जाना जाता है, बल्कि यहां के कई स्वादिष्ट व्यंजन भी काफी मशहूर हैं जो पूरे विश्व में मशहूर हैं. अगर आप लन्दन जाएं तो ताज बकिंघम होटल में TH@51 रेस्टोरेंट में अवश्य जाएँ यहाँ के देसी और अंतर्राष्ट्रीय व्यंजनों का जायका जरूर लें, क्योंकि वहां की बात ही अलग होती है.

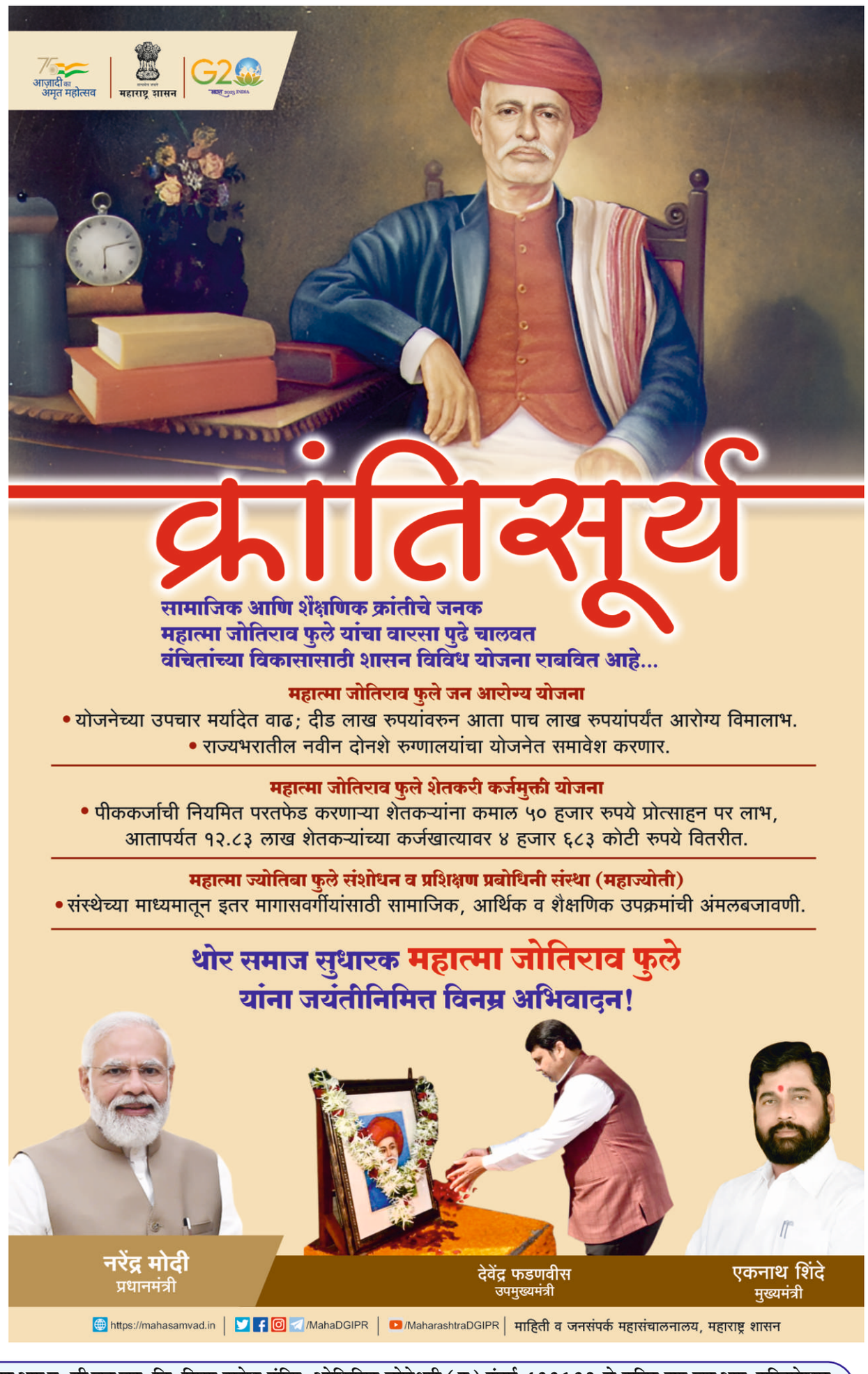

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।